Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 248 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 08 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अमरनाथ यात्रा अब तक 21,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिछले तीन दिनों में करीब 48,000 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की। आज 7,208 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 21,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि आज को 7,208 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, पहला सुरक्षा काफिला तीर्थयात्रियों को उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप ले जा रहा है, जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप ले जा रहा है।

तिहाड़ जेल में सजा काट रहा खूंखार सीरियल किलर फरार

नई दिल्ली। देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में बंद कुख्यात सीरियल किलर सोहराब के फरार होने की खबर से सनसनी फैल गई है। तीन दिन की पैरोल पर बाहर आया सोहराब, अवधि पूरी होने के बावजूद वापस जेल नहीं लौटा। इस घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है और लखनऊ पुलिस के साथ मिलकर उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, सोहराब को तीन दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया था। उसे लखनऊ में अपनी पत्नी से मुलाकात करने के बाद वापस दिल्ली की तिहाड़ जेल लौटना था, लेकिन वह निर्धारित समय पर नहीं पहुंचा। जब सोहराब वापस नहीं आया, तो जेल प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने फौरन उसकी तलाश शुरू कर दी।

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता, पुंछ में ध्वस्त हुआ आतंकी ठिकाना

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। शनिवार को अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान यह ठिकाना मिला। इस दौरान किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हुई है। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया है।

छत्तीसगढ़ के मैनपाट में भाजपा का प्रशिक्षण

भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं चाहिए,अनावश्यक बयानबाजी से बचें-नड्डा

अंबिकापुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सरगुजा मैनपाट में आयोजित भाजपा के तीन दिन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुभारंभ किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित छत्तीसगढ़ भाजपा के सभी मंत्री, विधायक व सांसद मौजूद है। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने वृक्षारोपण कर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। 3 दिनों तक चलने वाला यह प्रशिक्षण शिविर मैनपाट तिब्बती कैम्प नंबर-1 के कम्युनिस्ट हाल में आयोजित है।भाजपा के मंत्री,विधायकों और सांसदों को शिविर में सुव्यवस्थित तरीके से सरकार चलाने और कार्यकर्ता के साथ अच्छा तालमेल बनाने प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सोमवार की सुबह ट्रेन मार्ग से अंबिकापुर पहुंचे,जहां रेल्वे स्टेशन में कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया,इसके पश्चात मुख्यमंत्री मैनपाट पहुंचे और शिविर स्थल का जायजा लेने के पश्चात वापस दरिमा एयरपोर्ट आए और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया,इसके पश्चात सभी मैनपाट शिविर में पहुंचे और फिर तीन दिवसीय शिविर का राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शुभारंभ किया। इस शिविर में भाजपा के सभी

विधायक,मंत्रियों और सांसदों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।शिविर मे सभी के मोबाईल फ्रोन को बैन कर दिया गया,सभी का मोबाईल बाहर रखवाया गया है। मैनपाट में आयोजित तीन दिवसीय भाजपा के प्रशिक्षण शिविर का आज पहला दिन रहा. शिविर का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया. उनके साथ पहला और दूसरा सत्र संपन्न हुआ. भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कांग्रेस के राष्ट्रीय मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, खरगे और राहुल गांधी को भाजपा से सीखना चाहिए. राहुल गांधी तो शिष्टाचार भी नहीं सीख पा रहे हैं. भाजपा का काम दूसरों को सीखाना भी है. शिविर को लेकर भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने कहा, बहुत ही उत्साहवर्धन वाला सत्र रहा. पार्टी के विचार और कार्यपद्धति पर प्रशिक्षण दिया गया. व्यवहार और शिष्टाचार पर जोर दिया गया. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रशिक्षण शिविर के पहले सत्र का उद्घाटन कर दरिमा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए. उन्होंने शिविर में सांसदों और विधायकों को पार्टी की रीति और नीति की शिक्षा दी. सभी विधायकों, सांसदों और मंत्रियों को हमारा विचार और पंच प्रण पर प्रशिक्षण दिया. जेपी नड्डा 2 घंटे तक प्रशिक्षण शिविर में रहे और पार्टी की कार्यपद्धति पर प्रशिक्षण दिया.

12 सत्र में विभाजित प्रशिक्षण शिविर....

पूरा प्रशिक्षण शिविर 12 सत्रों में विभाजित किया है, जिसमें पहले दिन दो सत्र आयोजित हुए। दूसरे दिन छह सत्र होंगे, जिनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रशिक्षण देंगे। समापन सत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय महामंत्री शिव प्रकाश मौजूद रहेंगे।

हर आने-जाने वाली की विशेष जांच.....

सरगुजा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, शिविर स्थल सहित पूरे मार्ग पर तीन एसपी, चार एडिशनल एसपी, थाना प्रभारियों सहित कुल 800 जवानों की तैनाती की गई है।

सर्बानंद सोनोवाल बोले

2027 तक शुरू होगा कलादान प्रोजेक्ट.....

गुवाहाटी। केंद्रीय पोत परिवहन, जलमार्ग और शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को कहा कि भारत और म्यांमार के बीच चल रहा महत्वाकांक्षी कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट साल 2027 तक पूरी तरह से चालू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद मिजोरम की राजधानी आइजोल और कोलकाता के बीच की दूरी करीब 700 किलोमीटर कम हो जाएगी, जिससे पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ना और आसान हो जाएगा। कलादान प्रोजेक्ट भारत और म्यांमार के बीच एक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट योजना है,

जिसका उद्देश्य भारत के पूर्वी बंदरगाहों से म्यांमार के जरिए पूर्वोत्तर भारत तक माल भेजने का एक नया रास्ता तैयार करना है। इसमें समुद्री रास्ता, नदी मार्ग और सड़क मार्ग तीनों शामिल हैं। म्यांमार के सित्वे पोर्ट का निर्माण पूरा हो चुका है। अब वहां से मिजोरम के

हथियारों का जखीरा बरामद

पीएलजीए बटालियन नंबर 01 की कंपनी नंबर 02 का डिप्टी कमांडर मुठभेड़ में मारा गया.....

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा से लगे नेशनल पार्क इलाके में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जवानों ने मुठभेड़ के दौरान कुख्यात नक्सली और स्नाइपर सोढ़ी कन्ना को मार गिराया, जो पीएलजीए बटालियन नंबर 01 की कंपनी नंबर 02 का डिप्टी कमांडर था। उस पर 8 लाख का इनाम घोषित था। घटनास्थल से सुरक्षाबलों ने 303 रायफ्ल, एके-47 की मैगजीन, 59 जिंदा कारतूस, विस्फोटक सामग्री, डेटोनेटर, कोडेक्स वायर, माओवादी वर्दी, पिट्ठू बैग, रेडियो और नक्सली साहित्य समेत कई सामान बरामद किए हैं। बरामद सामान यह संकेत देता है कि वह किसी बड़ी साजिश की तैयारी में था। डीआरजी बीजापुर-दंतेवाड़ा, एसटीएफ कोबरा 202 और 210, सीआरपीएफयंग प्लाटून की संयुक्त टीम ने 4 जुलाई को माओवादी गतिविधियों की पक्की सूचना मिलने के बाद यह सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। ऑपरेशन के दौरान रुक-रुक कर मुठभेड़ हुई, जिसमें

सोढ़ी कन्ना मारा गया। सोढ़ी कन्ना टेकलगुडियम इलाके में सक्रिय था। वह माओवादी नेता माड़वी हिडमा का करीबी सहयोगी और प्रशिक्षित स्नाइपर था। वह धरमारम कैंप पर हमले सहित कई गंभीर घटनाओं में शामिल रहा है। बस्तर आईजी का बयान: 18 महीनों में 415 माओवादी ढेर बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने जानकारी दी कि पिछले 18 महीनों (2024-25) में सुरक्षा बलों ने अब तक 415 माओवादियों को मुठभेड़ों में मार गिराया है। उन्होंने बताया कि मानसून जैसे कठिन एव मौसम और दुर्गम क्षेत्रों के बावजूद डीआरजी, एसटीएफ कोबरा, सीआरपीफ बीएसफ आईटीबीपी, सीएएफ बस्तर फाइटरस जैसे सभी बल लगातार रणनीतिक सफलता हासिल कर रहे हैं। उनका कहना था, यह सफलता सुरक्षाबलों की योजना, साहस और जनसमर्थन का प्रमाण है।

पाक सेना का भरोसेमंद

सऊदी अरब...में गुप्त मिशन पर भी भेजा गया था-तहव्वुर राणा

नई दिल्ली/ एजेंसी

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीछे मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर हुसैन राणा ने चौंकाने वाले दावे करते हुए खुलासा किया है कि वह पाकिस्तानी सेना का एक भरोसेमंद ऑपरेटिव था और उसे सऊदी अरब में एक गुप्त मिशन पर भेजा गया था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने 26/11 आतंकी हमले से संबंधित मामले में एनआईए की हिरासत में मौजूद तहव्वुर राणा से पूछताछ की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले से जुड़ी कई जानकारियां पहले से ही आधिकारिक जांच रिकॉर्ड का हिस्सा हैं। एक वरिष्ठ पुलिस

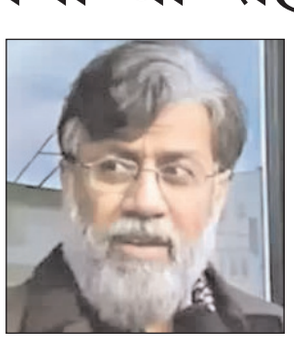

अधिकारी ने बताया कि तहव्वुर राणा अपने पहले के बयानों पर मानसिक रूप से अड़ा हुआ है। अधिकारी ने कहा कि वह पुलिस को जानकारी दे रहा है लेकिन उसके बात करने का तरीका भी उसकी कट्टरपंथी विचारधारा को दर्शाता है। राणा ने दावा किया कि वह पाकिस्तानी सेना का एक भरोसेमंद ऑपरेटिव था और इराक द्वारा कुवैत पर आक्रमण के दौरान उसे सऊदी अरब में एक गुप्त मिशन पर भेजा गया था, जिससे पाकिस्तान की सेना के लिए उसके रणनीतिक महत्व पर प्रकाश पड़ा। उसने कहा कि उसने 1986 में आर्मी मेडिकल कॉलेज, रावलपिंडी से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और फिर क्रेटा में कैप्टन (डॉक्टर) के पद पर नियुक्त हुआ। राणा ने सिंध, बलूचिस्तान, बहावलपुर और सियाचिन-बलोतरा सेक्टर सहित पाकिस्तान के संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों में काम करने का उल्लेख किया।

रेप, मर्डर और 11 साल बाद कातिल का कबूलनामा, मैं ही लगाता था लाशों को ठिकाने

बेंगलुरु। कर्नाटक के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल धर्मस्थल से एक ऐसी खौफनाक खबर सामने आई है, जिसने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। यहां एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने खुद पुलिस के सामने आकर एक ऐसा गुनाह कबूल किया है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए। शख्स ने दावा किया है कि उसे 1998 से 2014 तक, यानी करीब 16 सालों तक, रेप की शिकार लड़कियों और महिलाओं की लाशों को जलाने और ठिकाने लगाने के लिए मजबूर किया गया। लगभग 11 साल तक इस खौफनाक सच को अपने सीने में दफन रखने के बाद। यह शख्स खुद पुलिस के पास पहुंचा।

सरकारी आवास मामले में

सामान पैक कर लिया है सरकारी आवास छोड़ दूंगा-डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली/ एजेंसी

सरकारी आवास में तय समय से अधिक समय तक रहने को लेकर उठे विवाद के बाद मचे बवाल पर भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को विराम लगा दिया। पूर्व सीजेआई ने स्थिति साफकरते हुए कहा कि उनका सामान पैक कर दिया गया है। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जल्द ही दूसरे सरकारी आवास में चले जाएंगे, जिसका खर्च वह खुद वहन करेंगे। डीवाई चंद्रचूड़, उनकी पत्नी कल्पना, बेटियां प्रियंका और माही (दोनों ही दिव्यांग हैं) नई दिल्ली

के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित सीजेआई के आधिकारिक आवास में रह रहे थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बंगले में तय समय से अधिक समय तक रहने के कारणों के बारे में विस्तार से बताते हुए पीटीआई से कहा, 'हमने अपना सामान पैक कर लिया है। हमारा सामान पहले से ही पूरी तरह से पैक है। कुछ सामान पहले ही नए घर में जा चुका है और कुछ यहां स्टोररूम में रखा हुआ है। देश 50वें सीजेआई 8 नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। वे कथित तौर पर निर्धारित समय से अधिक समय तक रहने के कारण आधिकारिक बंगला खाली करने के लिए केंद्र को सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के पत्र का जवाब दे रहे थे। पूर्व सीजेआई ने विवाद पर दुख जाहिर किया। और अपनी बेटियों की सेहत का जिक्र किया, जिन्हें व्हीलचेयर-फ्रेंडली घर की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'मैं आपको नहीं बताऊंगा कि मैं कैसा महसूस करता हूं।

दो टांगों पर चल रही मोदी सरकार...एक नीतीश तो दूसरा टीडीपी-मल्लिकार्जुन खड़गे

रायपुर। रायपुर में मेरी अध्यक्षता में कांग्रेस का महाधिवेशन हुआ था, जब भूपेश बघेल सीएम थे। रायपुर से सामाजिक न्याय का जो नारा बुलंद हुआ उसने 2024 में मोदी सरकार के अहंकार को तोड़ दिया। आज बीजेपी ऐसी हालात में है कि खुद की सरकार भी नहीं बना सकी। मोदी जी सिर्फ दो टांग लेकर चल रहे हैं, वो भी दूसरे का। एक टांग नीतीश बाबू और एक टांग टीडीपी का है। एक ने भी लात मार दी तो मोदीजी हार जाएंगे। ये बातें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रायपुर के साइंस कॉलेज में आयोजित किसान-जवान-संविधान सभा में कहीं। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत जय जोहार...., छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया....के नारे से किया। बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि

मोदी ने छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन को तबाह करने का काम किया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि शाह बार-बार छत्तीसगढ़ क्यों आ रहे हैं? क्या उनका घर है या ससुराल है ? कांग्रेस अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि बहुत सारे उद्योगपति केवल राज्य में कोयला और अन्य खनिज भंडारों को लूटने के लिए आ रहे हैं और उन्हें यहां के लोगों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मोदी जी और शाह जी उद्योगपतियों का समर्थन करते रहे हैं। शाह खनिजों की जांच करने के लिए यहां आते रहे हैं। सीएम विष्णुदेव साय पर तंज कसते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री पीएम के निर्देशों का पालन करते हैं। अगर वे कहते हैं उठो, तो वे उठ जाते हैं। अगर वे कहते हैं बैठो, तो वे बैठ जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

झीट के खेल मैदान मे हुआ वृक्षारोपण

पाटन। समीपस्थ खेल ग्राम झीट मे एडवेंचर खो खो क्लब एवम् समस्त ग्रामवासी के द्वारा खो खो मैदान मे रविवार को वृक्षारोपण किया गया,जिसमे विभिन्न प्रकार छायादार पौधे नीम, कदम, बादम, जामुन, अशोक,आवाला, गुलमोहर के 100 पौधे रोपे गए,। खिलाडियों ने पौधे को बड़े होते तक सुरक्षित रखने और साथ हि पर्यावरण के प्रति अपनी दायित्व निभाने का संकल्प लिया । इस तरह खिलाडियों के द्वारा न केवल खेल छेत्र मे आगे बड़ रहे बल्कि पर्यावरण के प्रति भी अपनी फ़र्ज़ निभाते नजर आ रहे है,। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पवन ठाकुर, भूपेश सिन्हा,डिगेश् साहू, बिनय् पटेल, राहुल ध्रुव, भूपेंद्र, प्रवीण ठाकुर, चमन पटेल, दीपक कुमार, गिरीश कौशिक, नरोत्तम सिन्हा, भोजराम् साहू, चन्द्रदेव पटेल समस्त खिलाडी एवम् ग्रामवासी उपस्थित थे।

कबीरधाम कलेक्टर के दुर्व्यवहार के विरोध में सौंपे गए ज्ञापन, खेद प्रकट करने पर आंदोलन स्थगित

पाटन। कबीरधाम कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा द्वारा कर्मचारियों के साथ किए गए सार्वजनिक दुर्व्यवहार के विरोध में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने प्रदेश के समस्त जिलों में विरोध स्वरूप माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई। फेडरेशन ने सरकार से मांग की थी कि उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तरीय जांच कराई जाए एवं संबंधित के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जाए। इस संबंध में कलेक्टर कबीरधाम द्वारा फेडरेशन के जिला संयोजक प्रताप चंद्रवंशी एवं प्रतिनिधिमंडल के साथ सार्वजनिक रूप से चर्चा करते हुए फेडरेशन के प्रति अपनी बात स्पष्ट की गई तथा खेद प्रकट किया गया। कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। उक्त घटनाक्रम के पश्चात फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा, श्री जी.आर. चंद्रा, श्री रोहित तिवारी एवं श्री संजय सिंह ठाकुर ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह घोषणा की है कि चूंकि कलेक्टर द्वारा खेद व्यक्त कर लिया गया है, अत: इस प्रकरण के विरोध में प्रस्तावित आगामी चरण के आंदोलन को स्थगित किया जाता है।

भव्य बाकलीवाल ने पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण की सीए की परीक्षा

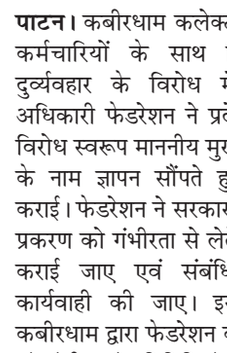

दुर्ग । खंडेलवाल कालोनी निवासी विमल बाकलीवाल के सुपुत्र भव्य जैन बाकलीवाल ने कड़ी मेहनत, सच्ची लगन और गुरुओं के आशीर्वाद से प्रथम प्रायस में सीए की परीक्षा अच्छे अंक से उत्तीर्ण की है। भव्य ने कक्षा 12 वीं से ही ठान लिया था कि उसे आगे क्या करना है और आज यह उसी का परिणाम है कि आज उन्होने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। भव्य जैन बाकलीवाल ने एंट्रेंस की परीक्षा के समय से ही अपना पूरा समय अपने लक्ष्य को हासिल करने में झोंक दिया था।

निधन :आशिष राखुडे

दुर्ग । कादम्बिरी नगर निवासी आशिष राखुडे वर्ष 45 का लंबे समय से अस्वस्थ होने के कारण सोमवार को निधन हो गया। उनकी अन्तिम यात्रा कादम्बिरी नगर स्थित निवास से मंगलवार प्रात: 11.00 बजे शिवनाथ मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे अधिवक्ता अशोक राखुडे के भाई थे।

कलेक्टर ने बाढ़ एवं आपदा से बचाव के संबंध में ली समीक्षा बैठक

राहत एवं बचाव से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने दिए निर्देश

आपदा की स्थिति से बचने सूचना तंत्र को करें मजबूतः कलेक्टर

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने भारी बारिश एवं कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए आपदा बचाव एवं राहत के संबंध में जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी अनुविभागों के एसडीएम और संबंधित अधिकारियों को बाढ़ की स्थिति वाले गांवों में पर्याप्त खाद्य सामग्री, केरोसिन, दवाईयां, लाइफ्लाइन सप्लाई आदि आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ की स्थिति में प्रभावी सूचना तंत्र स्थापित करने, त्वरित सूचना के लिए बाढ़ प्रभावित गांवों में नोडल अधिकारी बनाने एवं समस्याओं की तत्काल समाधान के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला सेनानी को बाढ़ संभावित क्षेत्र में नाव, लाइफ जैकेट आदि व्यवस्थाओं के साथ पर्याप्त रूप से एसडीआरएफ की टीम को तैनात करने के लिए कहा। कलेक्टर ने पशु चिकित्सा अधिकारी को पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए शेड इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा। इसके साथ-साथ ए. टी. आर. के संभावित बाढ़ वाले तथा पहुंचविहीन क्षेत्रों में राशन, पेयजल आदि आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्र समय पर खुले और मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बारिश के मौसम में होने वाले मौसमी बीमारियों के प्रभावी रोकथाम के लिए भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में डायरिया सहित अन्य जल जनित बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है, इसके लिए उन्होंने पेयजल की शुद्धता एवं स्वच्छता के लिए कुंओं व हैण्डपम्पों में ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव करने, पानी को उबालकर पीने के संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए कहा। उन्होंने संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त दवाई एवं अन्य उपचारात्मक सुविधा उपलब्ध कराने, नगरीय निकायों के नाले-नालियों में निरंतर साफ-सफाई कराने, जल जमाव की स्थिति को रोकने डीवाटरिंग पंप सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्रीमती मेनका प्रधान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अल्ट्राटेक सीमेंट की बालौदा बाजार-भाटापारा स्थित लाइमस्टोन खदान को इंडियन ब्यूरो ऑफमाइन्स, खनन मंत्रालय द्वारा 5-स्टार रेटिंग से किया गया सम्मानित

रायपुर। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की तेरह लाइमस्टोन खदानों को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स, खनन मंत्रालय द्वारा सस्टैनबल माइनिंग में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार समारोह 7 जुलाई 2025 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित किया गया। जिन तेरह खदानों को सम्मान प्राप्त हुआ, उनमें एक है परसवानी लाइमस्टोन माइन, जो अल्ट्राटेक की इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हिरमी सीमेंट वर्क्स का हिस्सा है और बालौदा बाजारङ्गभाटापारा, छत्तीसगढ़ में स्थित है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब हिरमी सीमेंट वर्क्स यूनिट को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। अल्ट्राटेक के हिरमी सीमेंट वर्क्स ने अपने खनन क्षेत्र में जल संचयन, हरित पट्टी विकास, सामुदायिक भागीदारी और आसपास के कई गांवों को गोद लेने जैसे प्रयासों के माध्यम से खुद को अन्य खदानों से अलग साबित किया। अल्ट्राटेक की बारह लाइमस्टोन खदानों को 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई, जबकि एक खदान को 'ग्रीन माइनिंग' में असाधारण कार्य के लिए 7-स्टार रेटिंग का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ। यह देश की एकमात्र लाइमस्टोन खदान है जिसे यह रेटिंग मिली है।

इस कार्यक्रम के दौरान, कोयला और खनन मामलों के केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और रेडी-मिक्स कंक्रीट (आरएमसी) कंपनी अल्ट्राटेक को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सतत विकास और संचालन में इन खदानों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इस समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा उपस्थित रहे।

अल्ट्राटेक के खनन में उत्कृष्टता के प्रयास इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन्स के स्थायी, हरित खनन, कुशल संचालन और तकनीक-संचालित खनिज प्रसंस्करण के लक्ष्यों के अनुरूप हैं। अल्ट्राटेक को लगातार दूसरे वर्ष सभी खनिज श्रेणियों (लाइमस्टोन, आयरन ओर, बॉक्साइट, लेड-जिंक, मैंगनीज़) में सबसे अधिक 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने का गौरव प्राप्त है। खनन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई इस स्टार रेटिंग योजना का उद्देश्य खनन में सतत विकास ढांचे के व्यापक और सार्वभौमिक क्रियान्वयन के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं को अपनाना है। इस योजना में 7-स्टार और 5-स्टार रेटिंग सर्वोच्च मानी जाती हैं, जो उन खदानों को प्रदान की जाती हैं जो वैज्ञानिक और कुशल खनन, अनुमोदित उत्पादन का अनुपालन, शून्य अपशिष्ट खनन, पर्यावरण संरक्षण, खदान बंदी की प्रगतिशील और अंतिम योजना, हरित ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग, भूमि सुधार, अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाना, स्थानीय समुदाय से जुड़ाव और पुनर्वास व सामाजिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करती हैं

भिलाई राउंड टेबल-243 ने विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा सुविधा देने बढ़ाया कदम

बोरी स्कूल में कराया 14 कक्षाओं का निर्माण, विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जरुरत की सामान

दुर्ग (समय दर्शन)। शिक्षाविद, युवा उद्यमी एवं समाजसेवियों की संगठन भिलाई राउंड टेबल-243 ने शिक्षा और विद्यार्थियों को स्कूल में बेहतर सुविधा प्रदान करने अभिनव पहल की है। हाल ही में राउंड टेबल द्वारा ग्राम बोरी स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में 14 कक्षाओं का अतिरिक्त निर्माण कराया गया। साथ ही स्कूल में बालक और बालिकाओं के लिए शौचालय एवं वॉटर फिल्टर की व्यवस्था की गई। स्कूल में कक्षाओ के निर्माण से छात्रों को असुविधा से राहत मिलेगी और अध्ययन अध्यापन में अनुकूल माहौल मिलेगा। इससे पहले भी भिलाई राउंड टेबल द्वारा ग्राम बिरेभाट, कोडिया, समोदा, कोसानगर, बापूनगर, बासीन, ननकट्टी,ढौर में स्कूली कक्षाओ का निर्माण करवाया गया है। भिलाई राउंड टेबल विद्यार्थियों को स्कूलों में बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाने पिछले 10 वर्षों से इस तरह का कार्य रही है। अभी तक कुल 48 कक्षाओ का निर्माण दुर्ग-भिलाई की विभिन्न स्कूलों में कराया जा चुका है। इसके अलावा भिलाई राउंड टेबल द्वारा टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण भी विभिन्न स्कूलों में कराया गया है। भिलाई राउंड टेबल जरुरतमंद स्कूली बच्चों के मदद में हमेशा अग्रणी रही है। उन्होने स्कूली बच्चों को उनकी जरुरत व आवश्यकता की सामान उपलब्ध करवाए है। गौरतलब है कि भिलाई राउंड टेबल 243 में भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के युवा उद्यमी, शिक्षाविद तथा समाजसेवी प्रमुख रूप से जुड़े हुए है। भिलाई राउंड टेबल द्वारा अब तक विभिन्न स्कूलों में 2 करोड़ की लागत से 48 क्लासरूम का निर्माण कराया जा चुका है। भिलाई राउंड टेबल राउंड टेबल इंडिया का एक अभिन्न हिस्सा है।

कलेक्टर ने ली सोनोग्राफी सेंटरों के संचालकों की बैठक

पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के नियमानुसार संस्थाओं का संचालन करने के निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में जिले में संचालित शासकीय एवं निजी पंजीकृत सोनोग्राफी सेंटरों के संचालकों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के तहत जिले में संचालित शासकीय एवं निजी पंजीकृत सोनोग्राफी संस्थाओं तथा मासिक रिपोर्ट की जानकारी ली और नियमित रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 09 एवं 24 तारीख को हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं का सोनोग्राफी करने कहा। उन्होंने पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के नियमानुसार सोनोग्राफी संस्थाओं का संचालन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक कार्ड प्रदाय किया जायेगा, जिसे एक सप्ताह के भीतर रिफरल किये गये निजी सोनोग्राफी सेंटर्स में दिखाकर नि:शुल्क सोनोग्राफी करायी जा सकती है। ये रिफरल कार्ड केवल हाई रिस्क प्रेगनेंसी वाले गर्भवती महिलाओं को ही प्रदाय किया जायेगा। कलेक्टर ने सभी निजी अस्पतालों के चिकित्सकों और संचालकों को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान का जिले में सफल क्रियान्वयन हेतु सहयोग की अपेक्षा की और जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि जिले में 04 शासकीय सोनोग्राफी सेंटर और 15 निजी सोनोग्राफी सेंटर संचालित हैं। इनमें से कुछ संस्थाओं में चिकित्सक नहीं होने के कारण अस्थायी रूप से सीलबंद किया गया है। इस दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के. रॉय, टीकाकरण अधिकारी डॉ कमलेश खैरवार सहित संबंधित अधिकारी और सोनोग्राफी सेंटरों के संचालकगण मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी समितियों में किया गया पौधरोपण

मुंगेली(समय दर्शन) अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस 05 जुलाई के अवसर पर जिले के सभी 66 सहकारी समितियों और उनके उपार्जन केंद्रों में 25-25 पौधरोपण किया गया और पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास की दिशा में सहकारिता का संदेश दिया गया। इसी क्रम में सहकारिता विभाग के विभागीय अधिकारियों द्वारा सेवा सहकारी समिति मुंगेली एवं लौदा में वृक्षारोपण का कार्य किया गया।

सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं हितेश श्रीवास ने बताया कि वर्ष 2025 को यूएनओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है, जिसके परिप्रेक्ष्य में सहकारिता विभाग द्वारा वार्षिक गतिविधियों हेतु जारी कैलेंडर के अनुरूप समितियों को ई-डिस्ट आईडी वितरण, किसानों को केसीसी एवं एटीएम वितरण, एनसीडीसी कार्यशाला, सहकारिता संगोष्ठी, बहुउद्देशीय दुग्ध, मत्स्य और पैक्स का पंजीयन और प्रमाणपत्र वितरण, नयी समितियों का प्रशिक्षण आदि कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सीसीबी के नोडल अधिकारी संतोष सिंह, समिति के प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नगरीय निकाय के कर्मचारियों का सविनय आंदोलन

पिथौरा (समय दर्शन)। प्रदेश के 192 नगरीय निकायों के कर्मचारी शासन के दमनकारी नीतियों का विरोध करते हुए अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए स्थानीय निकायों पर चौड़ी काली पट्टी लगाकर अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे। इसके साथ ही संध्या 5:30 बजे कार्यालय के मुख्य द्वार पर गेट मीटिंग करते हुए शासन के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध नारा लगाकर शासन को कोसते हुए कुंभकर्णी नींद से जगाने की कोशिश करेंगे।

नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी नगरी निकाय कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने कहा है कि 5 जुलाई को पूरे प्रदेश भर के कर्मचारी अपनी तीन प्रमुख महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए इकट्ठा हुए थे। शासन ने अपनी नाकामयाबी को

छुपाते हुए आंदोलनकारी को बसों में जबरन ठुस कर शहर से दूर अन्यत्र बेजान स्थान पर ले जाया गया, ताकि आंदोलन बाधित हो,

जहां कर्मचारी पीने की पानी जैसे जीवनदायनी चीज के लिए भी तरसते रहे।

इस संवेदनशील घटना से पूरे प्रदेश भर के कर्मचारियों में काफी रोष है। हमारे 3 सूत्रीय महत्वपूर्ण मांगे..

(1) महीने के पहले तारीख को वेतन भुगतान।

(2)नगरी निकाय कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन

योजना लागू करने।

(3) बरसों से एक ही पद में कार्यरत कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान करने,

जैसे महत्वपूर्ण मांगों को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष सोनी ने आगे बताया कि , प्रदेश कोर कमेटी में लिए गए निर्णय के अनुसार पूरे प्रदेश भर के नगरीय निकाय कर्मचारी एक सप्ताह कार्य दिवस सोमवार से शुक्रवार तक अपनी बाहों में काले रंग का पट्टी लगाकर अपने कार्यालयीन कार्यों को करेंगे। प्रतिदिन छुट्टी के समय के समय मुख्य द्वार के बाहर एकत्रित होकर अपनी मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षण करते हुए नारा लगाएंगे।

संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा लगातार मुख्यमंत्री जी से मिलने का समय मांगा जा रहा है परंतु यह विष्णुदेव साय के शासन में कैसा कुशासन है कि उनके पास अपने राज्य के शहरी सरकार के प्रमुख अंगों से मिलने तक का भी समय नहीं है।

पूरे प्रदेश के कर्मचारी शांतिपूर्ण और अहिंसात्मक तरीकों से अपनी आवाज बुलंद करेंगे और शासन को कुंभकर्णी नींद से जगाने का प्रयास करेंगे। जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के 03 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ में हुए शामिल

ग्रामीण विकास की रीढ़ की हड्डी हैं पंचायती राज संस्थाएं : विष्णुदेव साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के निमोरा स्थित ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के लिए तीन दिवसीय आधारभूत/उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ में शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं ग्रामीण विकास की रीढ़ की हड्डी हैं। नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के रूप में आप सभी के पास बहुत बड़ा अवसर और बड़ी जिम्मेदारी है। यदि दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो एक व्यक्ति भी पूरे जिले की तस्वीर बदल सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोक कल्याण की भावना से जनता की सेवा करने वालों को जनता स्वयं आगे बढ़ाती है। अपने राजनीतिक जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने भी अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत पंच के रूप में की थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि राजनीति में आऊंगा। 10 वर्ष की आयु में पिताजी के स्वर्गवास के बाद मेरे कंधों पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी आ गई। मेरा पूरा जीवन संघर्ष में बीता। मैं सरपंच भी बनूंगा, यह मैंने कभी कल्पना नहीं की थी, लेकिन जनता का आशीर्वाद मिला, जिससे विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री के रूप में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुछ कर गुजरने के लिए संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण इच्छाशक्ति होती है। जनहित में कार्य करने की सोच से अकेला व्यक्ति भी बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे जिन प्रेरणादायी लोगों के जनसेवा के कार्यों को निकट से देखने का अवसर मिला, उनमें ओडिशा के डॉ. अच्युत सामंत और नानाजी देशमुख का उल्लेख करना चाहूंगा। अभावों में पले-बढ़े डॉ. अच्युत सामंत ने आजीवन जनता की सेवा का संकल्प लिया और भुवनेश्वर में एक बड़ा शिक्षण संस्थान स्थापित किया। इस संस्थान में वे लगभग 25 हजार जनजातीय बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इसी तरह, चित्रकूट में नानाजी देशमुख ने दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान के माध्यम से 500 गांवों को गोद लेकर उनके सर्वांगीण विकास का कार्य किया। वर्ष 2006-07 में जब मैं वहां गया, तब मुझे पता चला कि अब तक 80 गांवों को उन्होंने आत्मनिर्भर बना दिया है। इन गांवों में हर परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कार्य किया गया। ये उदाहरण हमें यह बताते हैं कि एक व्यक्ति भी कितना बड़ा परिवर्तन ला सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हर दृष्टि से एक समृद्ध राज्य है। यहां 44 प्रतिशत भूभाग पर वन हैं। यहां की मिट्टी उर्वरा है और किसान मेहनतकश हैं। छत्तीसगढ़ के विकास में नक्सलवाद एक बड़ी बाधा था, जिसे हम समाप्त कर रहे हैं। जो नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, उनके लिए हमने एक उत्कृष्ट पुनर्वास नीति बनाई है। जल्द ही राज्य नक्सलमुक्त होगा और बस्तर में सड़क, बिजली, पानी सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर संभाग के मुलेर ग्राम का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के आदिवासियों को राशन के लिए 25 किलोमीटर का पैदल सफर करना पड़ता था, जिसमें तीन दिन लगते थे। कल्पना की जा सकती है कि यह इलाका विकास में कितना पीछे था। हमने मुलेर को अलग पंचायत बनाने का निर्णय लिया और वहां राशन दुकान खोली। जब मैं वहां गया, तो लोगों की खुशी उनके चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों से कहा कि गांवों का विकास किए बिना हम विकसित छत्तीसगढ़ नहीं बना सकते। प्रशिक्षण के इस समय का पूरा लाभ उठाएं। यह सदैव ध्यान रखें कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का दौरा करें।

संक्षिप्त समाचार

दुर्ग से बाबा धाम के लिए स्पेशल ट्रेन!

रायपुर (समय दर्शन)। रेलवे ने बाबा धाम जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत दी है. भारतीय रेलवे ने दुर्ग से पटना के बीच एक और स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. अब ट्रेन से बाबा धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को आठ दिन स्पेशल ट्रेन की सुविधा मिल सकेगी. दरअसल,पहले भी इन दोनों स्टेशनों के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई थी, हालांकि वह सिर्फ दुर्ग से 06, 13, 20, एवं 27 जुलाई को उपलब्ध थी. अब नए नंबर से इन दोनों स्टेशनों के बीच एक और स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है. यह ट्रेन दुर्ग से 07, 14, 21 एवं 28 जुलाई को छूटेगी. वहीं वापसी में नई स्पेशल ट्रेन 08, 15, 22 एवं 29 जुलाई को छूटेगी, जबकि पहले से घोषित ट्रेन 07, 14, 21, एवं 28 जुलाई को पटना से रवाना होगी. इन दोनों स्पेशल ट्रेनों में 1008 कन्फर्म बर्थ की सुविधा मिलेगी. दुर्ग और पटना के बीच चलने वाली एक और साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 08797 नंबर के साथ प्रत्येक सोमवार को दुर्ग से रवाना होगी. वापसी में 08798 नंबर से ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को छूटेगी. इस ट्रेन में दो एसी-श्री, 13 स्लीपर, 4 सामान्य, 2 एलआरडी सहित 21 कोच जुड़ेंगे, जिससे यात्रियों को 1008 कंफर्म बर्थ की सुविधा मिलेगी।

मिनी प्लग टाइप सीडलिंग यूनिट किसानों को दे रही गुणवत्तायुक्त पौधे

सालाना 20 लाख पौधों का उत्पादन, समय और लागत दोनों में लाभ

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार कृषि क्षेत्र में ऐसे तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनका सीधा लाभ किसानों को मिले और उनकी आय में वृद्धि हो। यह पहल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के समृद्ध किसान - सशक्त छत्तीसगढ़ के विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है।

सूरजपुर जिले में स्थापित मिनी प्लग टाइप सीडलिंग यूनिटें किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार साबित हो रही हैं। ये यूनिटें, जिनमें से एक शासकीय उद्यान दतिमा में और दूसरी शासकीय उद्यान खोरमा में स्थित है, किसानों को गुणवत्तायुक्त और स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराकर पारंपरिक बुवाई की चुनौतियों से मुक्ति दिला रही हैं। दोनों यूनिटों की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 लाख पौधों की है, जहाँ करेला, टमाटर, बैंगन, गेंदा, मिर्च, फूलगोभी, पत्तागोभी, खीरा और तरबूज जैसी विभिन्न प्रकार की सब्जियां, मसाले और फूलों के पौधे तैयार किए जाते हैं। इन यूनिटों में तैयार किए गए पौधे कीट-व्याधि से मुक्त, स्वस्थ और उच्च गुणवत्ता वाले होते हैं, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलती है। यदि किसान अपने बीज उपलब्ध कराते हैं, तो उन्हें मात्र 1.00 रुपये प्रति पौधा की दर से पौधे मिलते हैं, जबकि विभागीय बीज से तैयार पौधे 1.50 रुपये प्रति पौधा की दर से उपलब्ध कराए जाते हैं। किसानों की मांग पर, ये यूनिटें टमाटर और बैंगन के ग्राफ्टेड पौधे भी तैयार करती हैं, जो अधिक उपज देने में सहायक होते हैं। बीज से पौधे तैयार होने में सामान्यत: 25 से 30 दिन का समय लगता है, जिससे किसानों को समय पर रोपण के लिए उन्नत किस्म के पौधे मिल जाते हैं। यह सुविधा किसानों को पारंपरिक बीज बुवाई की समय लेने वाली और श्रमसाध्य प्रक्रिया से बचाती है, साथ ही उन्हें आधुनिक, तेज और विश्वसनीय विकल्प प्रदान करती है। जो सीधे तौर पर विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार के किसान-हितैषी नीतियों का परिणाम है।

एशियन पेंट्स के एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक ने 'लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी' के साथ इंटीरियर पेंट्स में गोल्ड स्टैंडर्ड को फिर से परिभाषित किया

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय घरों की चहल-पहल और जीवंतता उनकी पहचान है, जिससे ऐसी आंतरिक सज्जा की मांग बढ़ती जा रही है जो न केवल सुंदर हो, बल्कि समय के साथ दाग-धब्बों का भी सामना कर सके। एशियन पेंट्स से बेहतर इस जरूरत को कोई नहीं समझ सकता। भारतीय घरों को बदलने के दशकों के अनुभव के साथ, पेंट्स और डेकोर में देश का अग्रणी नाम अब अपने नवीनतम इनोवेशन — लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी से युक्त एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक को पेश कर रहा है। यह अत्याधुनिक प्रीमियम इंटीरियर पेंट बेहतरीन दाग प्रतिरोधक क्षमता, अग्नि प्रतिरोधी विशेषता और सुंदर फिनिश के साथ आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप बनाया गया है। एशियन पेंट्स ने पिछले आठ दशकों में न केवल रंगों में, बल्कि तकनीक, सौंदर्य और प्रदर्शन के क्षेत्र में लगातार नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। अल्टिमा प्रोटेक में ग्रैफीन-आधारित लेमिनेशन प्रोटेक्शन की शुरुआत से लेकर रोयल में टेफ्लॉन-आधारित दाग प्रतिरोध तकनीक तक, ब्रांड ने श्रेणी में पहली बार कई नवाचारों की एक श्रृंखला पेश की है, जिसने पेंट की क्षमताओं की परिभाषा ही बदल दी है। अब, उन्नत लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी से युक्त एप्कोलाइट ऑल प्रोटेक, नवाचार की इस यात्रा में एक नया अध्याय है — जो एक बार फिर एशियन पेंट्स को पेंट्स और कोटिंग्स के क्षेत्र में गोल्ड स्टैंडर्ड साबित करता है। कमल के पत्ते की प्राकृतिक सेल्फ-क्लीनिंग क्षमता से प्रेरित, लोटस इफेक्ट टेक्नोलॉजी एक सुरक्षा कवच बनाती है, जो रोज़मर्रा के घरेलू दागों को जमने से पहले ही हटा देती है। चाहे वह कॉफी हो, सॉस या क्रेयॉन के निशान — यह अगली पीढ़ी का फॉर्मूलेशन कम मेहनत के साथ दीवारों को साफ-सुथरा रखता है, जिससे यह समकालीन भारतीय घरों के लिए एक आदर्श समाधान बन जाता है, जो चहल-पहल और जीवंतता से भरपूर होते हैं। यह पेंट अग्नि प्रतिरोधी के साथ-साथ ताजगी भरी खुशबू भी प्रदान करता है, और मैट और शाइन, दोनों फिनिश में उपलब्ध है। छह साल की परफॉर्मेंस वारंटी के साथ, यह टिकाऊपन और विश्वसनीयता के उच्चतम मानक प्रदान करता है। लॉन्च के बारे में एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री अमित सिंगले ने कहा, एशियन पेंट्स में, हम यह समझने में बहुत समय लगाते हैं कि घर कैसे बदल रहे हैं, और हमारे नवाचार आज के उपभोक्ताओं की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होते हैं।

रायपुर में प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी

रायपुर (समय दर्शन)। सरकारी योजनाओं के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाने के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। शातिर ठग लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के नाम पर उन्हें लाखों की चपत लगा जाते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ है रायपुर के प्रफुल्ल कुमार के साथ। जहां एक ठग ने प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर उससे 21.81 लाख की ठगी की वारदात को अंजाम दिया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फ्लैट दिलाने के नाम पर 21.81 लाख की ठगी की है। पीड़ितों की शिकायत पर न्यू राजेन्द्र नगर थाना पुलिस ने आरोपी एन. जिल्लैया उर्फएन. जीतू के खिलाफ धारा धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। प्राथमिक शिकायत प्रफुल्ल कुमार बंजारी द्वारा दर्ज कराई गई है।

पीड़ित ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 में आरोपी से उनकी मुलाकात हुई थी। एन. जीतू ने अमलीडीह क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फ्लैट दिलाने का झांसा दिया और किस्तों में रकम लेते हुए कुल 2 लाख रुपये का सौदा तय किया।

प्रफुल्ल बंजारी ने आरोपी को किस्तों में कई बार भुगतान किया। पीड़ित ने कुल 5.10 लाख रुपये दिए, लेकिन न तो फ्लैट मिला, न ही पैसे वापस किए गए। यही नहीं, जब उन्होंने रकम वापस मांगी, तो आरोपी ने उन्हें धमकी दी।

कई लोगों को बनाया शिकार

इसी तरह आरोपी ने दूसरे लोगों को भी अपनी ठगी का शिकार बनाया। आरोपी ने प्रफुल्ल के परिचित नर्मदा खुटे से तीन फ्लैट दिलाने के नाम पर 7.50 लाख रुपये की ठगी की। दीक्षा जांगड़े से 2 लाख और सुनिल कुमार पात्रे से 2 लाख रुपये वसूले गए।

21.81 ठगी का आरोप

इन सभी को भी अब तक फ्लैट नहीं मिला और न ही उनकी रकम लौटाई गई। पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार, एन. जिल्लैया उर्फ एन. जीतू पर कुल मिलाकर अब तक 21.81 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महान शिक्षाविद्, ओजस्वी राष्ट्रवादी और भारतीय जनमानस में राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने अपने निवास कार्यालय में डॉ. मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया और उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किये।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन देशभक्ति, नि:स्वार्थ सेवा और अखंड भारत के प्रति अदम्य प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वे दूरदर्शी राजनीतिज्ञ, प्रखर विचारक और शिक्षा, सामाजिक न्याय तथा राष्ट्रीय एकता के प्रबल समर्थक थे। उनके सिद्धांत और कार्य आज भी हम सभी को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की एकता और संप्रभुता के लिए डॉ. मुखर्जी का संघर्ष भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित है। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का स्वप्न एक आत्मनिर्भर, सशक्त और गौरवशाली भारत का था, जिसे साकार करने के लिए हमें उनके आदर्शों का सतत अनुसरण करना होगा।

साय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने वैचारिक स्पष्टता और सैद्धांतिक राजनीति की नींव रखकर भारतीय लोकतंत्र को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और राष्ट्र के विकास में मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. मुखर्जी के विचारों और मूल्यों को अपने आचरण में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि हम उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर एक समृद्ध, स्वाभिमानी और समर्थ भारत के निर्माण के लिए संयुक्त प्रयास करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से पूरी होने लगी बिजली की जरूरत

रायपुर (समय दर्शन)। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' आम नागरिकों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय परिवर्तन ला रही है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिक सस्ती, स्वच्छ और सतत ऊर्जा प्राप्त कर न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं, बल्कि ग्रीन एनर्जी को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में भी भागीदारी निभा रहे हैं।

जशपुर जिले के कुनकुरी निवासी डॉ. फूलचंद कुजूर इस योजना के सफल लाभार्थी हैं। उन्होंने अपने निवास की छत पर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कर न केवल बिजली की बचत सुनिश्चित की है, बल्कि अपने घर को एक ग्रीन एनर्जी होम के रूप तब्दील कर दिया है। कुल 4.80 लाख रूपए की लागत वाले इस सोलर सिस्टम पर उन्हें 78,000 की अनुदान राशि शासन द्वारा सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की गई।

डॉ. कुजूर, जो पेशे से चिकित्सक हैं, सदैव स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरणीय संतुलन के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी विज्ञापन के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके पश्चात् उन्होंने बिजली विभाग से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रियाएँ पूर्ण कीं। लगभग सात से आठ माह पूर्व उन्होंने यह सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया, तब से घर की बिजली की जरूरतें पूरा होने लगी है और अतिरिक्त विद्युत ऊर्जा ग्रिड में भी आपूर्ति की जा रही है। परिणामस्वरूप उनका बिजली बिल शून्य से नीचे (माइनस) दर्ज हो रहा है।

डॉ. कुजूर ने बताया कि, यह पहल न केवल मेरे मासिक खर्चों को कम कर रही है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक छोटा किंतु सशक्त प्रयास है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना हर नागरिक के लिए अत्यंत उपयोगी है और सभी को इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए। बिजली विभाग के अवर अभियंता श्री लोकनाथ नेताम ने बताया कि शासन की यह योजना ऊर्जा की आत्मनिर्भरता एवं पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो प्रदेशवासियों को आर्थिक रूप से भी सशक्त कर रही है।

राजधानी में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित की पुष्पांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। रायपुर के शारदा चौंक स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके आदर्शों का पालन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते मुख्य वक्ता जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने बताया कि भारत माता के इस वीर पुत्र का जन्म 6 जुलाई 1901 को एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। इनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी बंगाल में एक शिक्षाविद् और बुद्धिजीवी के रूप में प्रसिद्ध थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से स्नातक होने के पश्चात डॉ मुखर्जी 1923 में सेनेट के सदस्य बने। अपने पिता की मृत्यु के पश्चात 1924 में उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में नामांकन कराया। 1926 में उन्होंने इंग्लैंड के लिए प्रस्थान किया जहां लिंकन्स इन कॉलेज से 1927 में बैरिस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की।

दक्षिण विधान सभा के विधायक सुनील सोनी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी भारत की अखंडता और कश्मीर के विलय के दृढ़ समर्थक थे। उन्होंने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को भारत के बाल्कनीकरण की संज्ञा दी थी। अनुच्छेद 370 के राष्ट्रघातक प्रावधानों को हटाने के लिए भारतीय जनसंघ ने हिन्दू महासभा और रामराज्य परिषद के साथ सत्याग्रह आरंभ किया। डॉ. मुखर्जी 11 मई 1953 को कश्मीर में परमिट सिस्टम का विरोध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष विपिन शर्मा ने कहा कि डॉ मुखर्जी एक दक्ष राजनीतिज्ञ, विद्वान और स्पष्टवादी के रूप में वे अपने मित्रों और शत्रुओं द्वारा सामान रूप से सम्मानित थे। एक महान देशभक्त और संसद शिष्ट के रूप में भारत उन्हें सम्मान के साथ याद करता है। इस अवसर पर रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल,दक्षिण विधान सभा के विधायक सुनील सोनी,उत्तर विधान सभा विधायक पुरंदर मिश्रा,पश्चिम विधान सभा विधायक राजेश मूणत ,भाजपा रायपुर जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर,नगर पालिक निगम रायपुर महापौर मीनल चौबे,सभा पति सूर्यकांत राठौड़,सत्यम दुआ, पार्षद जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा,द्वद्व मेंबर पार्षद अमर गिदवानी,द्वद्व मेंबर पार्षद अवतार बागल,जोन 10 अध्यक्ष पार्षद सचिन मेघानी,सुभाष अग्रवाल,सोनू सलूजा, मृत्युंजय दुबे, पार्षद महेंद्र कोड़ियार,अकबर अली,भारती बागल,रमेश शर्मा,शंकर नगर मंडल के अध्यक्ष राम प्रजापति, छगन मूंदड़ा,अमरजीत चावला,जितेंद्र गडेचा,दलविंदर सिंह बेदी,अनुप खेलकर,गीता रेड्डी,नीलू तलमेल,सूरज शर्मा,संतोष निहाल,संतोष विश्वकर्मा,शकंर शर्मा,कान्हा ठाकुर,प्रणीत जैन के साथ जवाहर नगर मंडल,शंकर नगर मंडल, फाफडीह मंडल,तेलीबांधा मंडल के पदाधिकारीगण/कार्यकर्ता, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

संपादकीय

पाकिस्तान की चाल फिर विफल

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर बेनकाब करते हुए भारत पर ही आरोप मढ़ने की उसकी चाल को विफल कर डाला। आतंकवाद के खिलाफ अपने कड़े रुख पर कायम रहते हुए भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज करने और सीमा पार से होने वाले पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के प्रति भारत कीचिंताओं को अनदेखा करने पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथसिह ने पहलगाम आतंकी हमले को वक्तव्य में शामिल करने की मांग की, जबकि पाकिस्तानी पक्ष ने बलूचिस्तान में चरमपंथी गतिविधियों पर टिप्पणी डलवाने पर जोर दिया, जो साफ-साफ भारत पर आरोप मढ़ने का प्रयास था। पाकिस्तान की इस हरकत के कारण सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य के बिना ही समाप्त हो गया। वक्तव्य के मसौदे में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र ही नहीं था और न ही सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को दर्शाया गया था। ये सारी चालें सम्मेलन के अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर भारत के रुख को कमजोर करने के लिए चली जा रही थी, मामले को भांपते ही रक्षामंत्री ने पाक के धुर्रे उड़ा दिए। राजनाथ ने आतंकवाद का प्रायोजक ठहराते हुए जवाबदेह ठहराने की अपील की। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड रखने वालों के खिलाफ एससीओ को भी भारत जैसी कड़ी नीति अपनानी चाहिए। अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का वक्त आ गया है। आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और अपने संकीर्ण और निहित उद्देश्यों के लिए इसका इस्तेमाल करने वालों को परिणाम भुगतने ही होंगे। ऑपरेशन सिंदूर इसकी शुरुआत थी जिसके तहत भारत ने आतंकवाद से बचाव तथा सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया। आपरेशन से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति उसकी कार्रवाइयों के माध्यम से प्रदर्शित हुई है। भारत के इन प्रयासों को एससीओ के सदस्य देशों से निसंकोच भरपूर सहयोग और समर्थन मिलना ही चाहिए। दुनिया के इस भूभाग में इसी से शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा तथा संगठन का उद्देश्य सार्थक हो सकेगा।

भारत का आम नवाबी, जुनून का प्रतीक रहा है जो इसे खास बनाता है

अजय दीक्षित

सन 1811में पुर्तगाली कमांडर अल्फांसो ने आम की एक किस्म रत्नागिरी जिले के जंगलों देखी और उसने उस आम के किस्म क्राफ्टिंग की तो जो आम पेड़ पर लगा उसे अल्फांसो नाम दिया गया। अंतराष्ट्रीय मार्केट में इस आम की कीमत 3000रुपए प्रति किलो तक बिकती है। लेकिन भारत में आम की उपस्थिति 6000 साल से है क्योंकि महाभारत काल में इसका उल्लेख है। बताया जाता है कि ईसा से 600 वर्ष पहले भगवान बुद्ध को एक युवती ने आम का बगीचा भेंट किया था और बुद्ध ने उसे आम्रपाली नाम दिया ।मुगल शासन में अबु फ़सल ने लिखा था कि सलीम लंगड़े पर मत रो वह भी खास होकर आम है। इस तरह लंगड़ा भी आम की एक किस्म है । इंस्टीट्यूट ऑफ पाइलियों बॉटनी लखनऊ के प्रोफेसर पंत कहते हैं कि भारत में आम की उत्पत्ति का इतिहास बहुत पुराना है लेकिन मुगल शासन में आम को खूब संरक्षण मिला । उत्तर प्रदेश का मलीहाबादी , लखनवी, बनारसी, आम सुप्रसिद्ध है। दशहरी गांव से चला आम आज पूरे भारत का सबसे अधिक उत्पादन वाली आम की किस्म है। भारत में टोटपरी, दशहरी,लंगड़ा, केसर,बादाम,फाजली और मुगल बादशाह हुमायूं का चौसा, सफेदा, अल्फांसो, हापुश,सहित किस्मों के आम पाए जाते हैं।आम से आमरस, आमचूर, मांगोसेक, आम पापड़ बनाए जाते हैं।आम का आचार इस पद्धति का उपयोग सारे भारत में किया जाता है। बताया जाता है कि ब्रिटिश ने भारत के आम को पहले इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मिडिल ईस्ट में पहुंचा दिया था।

भारत में लखनऊ और दक्षिण भारत विजय वाडा बहुत बड़े आम केंद्र हैं।असम, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक,भी आम की अनेक किस्में उत्पादन करते हैं।यहां पर पूरे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना,से आम आते है भारत संसार सबसे बड़ा आम उत्पादन 3 0 लाख मैट्रिक टन वाला देश है। इसके अलावा आम किस्म भारत के हर जिले में होती है।जो स्थानीय स्तर पर बिकती है, आचार डाला जाता है और तो और औषधि मेभी उपयोग किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में मेरठ, मजफ़्फर नगर, हापुड़, सीतापुर, मलिहाबाद, लखनऊ, बाराबंकी,सहित कई जिले आम निर्यात भी करते हैं।एक बार शाहजहां ने दख्खन के नबाब औरंगजेब को इस लिए बंदी बनाया था कि उसने हैदराबादी, हापुस आम दिल्ली नहीं भेजे थे।भारत में आम उत्पादन में लखनऊ के नवाबों ने खालिस दिलचस्पी ली वे प्रति वर्ष आम उत्पादन से जुड़े लोगों की प्रतियोगिता कराते थे और सम्मानित भी करते थे। लखनऊ के अंतिम नबाब वाजिद अली शाह के बारे में वाइस राव वारिंग हेस्टिंग को यह शिकायत दर्ज कराई गई कि बादशाह आम और आम्रपाली के साथ ही रहता है

सनातन धर्म में आम के पेड़ का विशेष महत्व है।हवन में आम की लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है।शुभ कार्यों में बंदनवार में आम के पत्ते बांधे जाते हैं।आजादी के बाद कृषि वैज्ञानिकों ने आम की विभिन्न किस्मों को उन्नत शील बनाया । काश्तकारों को प्रशिक्षण भी दिया गया। पेस्टिसाइज के उपयोग भी हुए । पंत विश्वविद्यालय ने आम की खेती को व्यवसाय बनाया ।बताते हैं कि मलिहाबाद में एक पेड़ में छह टन आम उत्पादन होता है।जो राष्ट्रिय औसत से अधिक है। हिमालय की तराई वाले क्षेत्र हरिद्वार, रुड़क बिजनौर, मजफ़्फर नगर,मेरठ,हापुड़, अलीगढ़,मोदी नगर,में आम की अच्छी खासी खेती होती है। आधे जून,जुलाई में आम की आवक अधिकतम होती है अब तो इन आमों को कोल्डस्टोरेज में भी रखा जाता है। भारत, पाकिस्तान आम के सबसे बड़े निर्यातक देश हैं।

राष्ट्रीय एकीकरण के नायक: डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी

डॉ. कुलवीर सिंह चौहान

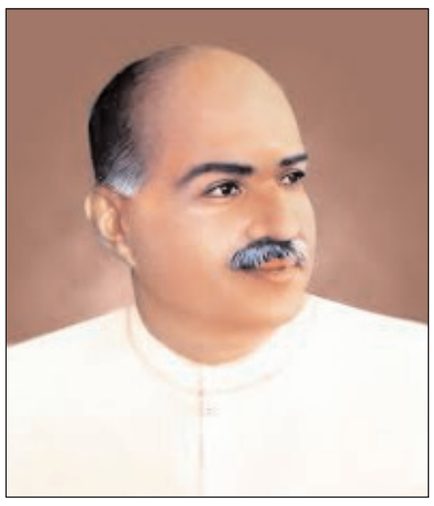

परतंत्र और स्वतंत्र भारत की राजनीति को सम्यक दिशा देकर भाषायी एवं क्षेत्रीय अस्मिताओं के दायरे से बाहर निकालकर देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अछुण्य रखने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान था। 6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी व योगमाया देवी के सुयोग्य पुत्र के रुप में कोलकाता में जन्मे डॉ. मुखर्जी में सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं, वैज्ञानिक एवं अकादमिक अभिरुचियों के प्रति गहरा लगाव था। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मात्र 23 वर्ष की अवस्था में वह कलकत्ता विश्वविद्यालय की सीनेट के फैलो बनाए गए थे। 1934-38 के अवधि में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा (33 वर्ष की अवस्था) और सफ्ल कुलपति होने का गौरव भी उन्होंने प्राप्त किया। यह बंगाल ही नहीं अपितु विश्व के किसी भी देश के विश्वविद्यालयी इतिहास में सबसे युवा कुलपति बनने का एक कीर्तिमान भी था। इसके पहले 1929 व 1937 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य चुने गए। 1939 में विनायक दामोदर सावरकर की प्रेरणा से हिन्दू महासभा में शामिल हुए तथा 1941 से 1947 तक हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने हिन्दूओं को संगठित करने का बीड़ा उठाया।1946 में वह संविधान सभा के सदस्य बने।1947 से 1950 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे तथा हिन्दू हितों की अनदेखी के कारण नेहरू-लियाक़त समझौते के विरोध में मंत्रिमंडल से 8 अप्रैल 1950 को त्यागपत्र दे दिया और 21 अक्टूबर,1951 को अखिल भारतीय स्वरुप के 'भारतीय जनसंघ, नामक दल का गठन किया। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की विभाजनकारी नीतियों और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के उभार से जो जहर भारतीय शासन व्यवस्था में व्याप्त हो रहा था, डॉ. मुखर्जी ने उनसे निपटने का वैचारिक एवं क्रियात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किया। डॉ. मुखर्जी पिछड़े वर्गों के आधार पर संरक्षण के अतिरिक्त धार्मिक आधार पर किसी भी विशेष संरक्षण या भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। वह विभाजन की शर्तों पर स्वाधीनता प्राप्ति के मुखर विरोधी थे।

20वीं शताब्दी का आरम्भ भारत की राजनीति का वह दौर था जिसमें राजनीतिक पराधीनता के साथ वैचारिक अंतर्विरोध और सांस्कृतिक संकट के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे। सारे देश में साम्राज्यवाद के खिलाफ एक तीव्र लहर चल रही थी। भारत द्वितीय विश्वयुद्ध में श्रीहीन व शक्तिहीन हो चुके ब्रिटिश शासनतंत्र की बेड़िया तोड़ने को तीव्रता से आगे बढ़ रहा था। अंग्रेज इस स्थित को भांप कर भारत से विदा लेने के पहले बड़े षड्यंत्र को रच रहे थे। इसी साजिश के तहत अंग्रेजों ने बंगाल, जो भारत की आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना का मुख्य केंद्र रहा था,के विभाजन की कुटिल चाल चली। परंतु इस विद्वेषपूर्ण ब्रिटिश नीति ने राष्ट्रवाद की धारा को मंद करने के स्थान पर और तीव्र कर दिया था। स्वाधीनता संघर्ष की परिणति भारत की आजादी थी, किंतु विभाजन की त्रासदी ने देश को गहरी वेदना दी। विभाजन की अनिवार्यता को भांप कर, डॉ. मुखर्जी ने बंगाल, असम व पंजाब के एक बड़े हिस्से को पाकिस्तान के चंगुल में जाने से बचा लिया। डॉ. मुखर्जी के दूरदर्शी प्रयासों से ही सगर-पुत्रों की तपोभूमि, बंकिमचन्द्र, सुभाषचंद्र बोस, विवेकानंद, कवीन्द्र-रवींद्र,बंदा बैरागी,गुरुगोविंद सिंह की पावन धरा पश्चिम बंगाल व पंजाब का पाकिस्तान में विलय होने से बचाया जा सका।

स्वाधीन भारत के पहले मंत्रिमंडल में 15 अगस्त 1947 को वह महात्मा गाँधी के आग्रह और स्वातंर्त्यवीर सावरकर की प्रेरणा से शामिल हुए। यह भी अपने आप में एक रोचक तथ्य है कि कांग्रेस की नीतियों के धुर विरोधी दो विद्वान राजनेताओं डॉ. मुखर्जी व डॉ. अम्बेडकर को उनके नेतृत्व क्षमता, वक्तता कौशल व दूरदर्शी दृष्टिकोण के चलते नेहरु मंत्रिमंडल में उद्योग व आपूर्ति तथा कानून व श्रम जैसे अति महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई। इस विश्वास को कायम रखते हुए उन्होंने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में सार्वजनिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्वी पाकिस्तान में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर लगातर किए जा रहे अत्याचारों व देश में भीषण दंगो के बावजूद तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरु द्वारा पाक प्रधानमंत्री लिकायत अली को भारत में मुस्लिम समस्याओं के संदर्भ में भेजे आमंत्रण प्रस्ताव से खिन्न होकर उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिया। 16 जनवरी 1951 को आयोजित एक बैठक में पार्टी के घोषणापत्र व संविधान पर चर्चा के बाद भारतीय जनसंघ नामक एक राष्ट्रीय दल के गठन का निर्णय हुआ। 21 अक्टूबर,1951 को जिस दिन नेता जी सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिंद सरकार का गठन किया था, दिल्ली में चार सौ प्रतिनिधियों के सम्मेलन में इस नवीन संगठन के अध्यक्ष के रुप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को संस्थापक अध्यक्ष घोषित किया गया। कानपुर में जनसंघ के प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण विलय की मांग का प्रस्ताव रखते हुए कहा था कि 'एक देश में दो प्रधान,दो विधान व दो निशान-नहीं चलेंगे नहीं चलेंगे'। देश में लोकतंत्र को मजबूत करने दलीय एकाधिकार की विसंगतियों को दूर करने के लिए उन्होंने जनसंघ के प्रथम अधिवेशन कानपुर में उड़ीसा के राजनीतिक दल गणतंत्र परिषद् को अधिवेशन में आमंत्रित किया था।प्रथम आम चुनाव में सारे देश से जनसंघ के मात्र 3 सांसद व कुल 17 विधायक (9 बंगाल व 8 राजस्थान से) पार्टी के टिकट पर चुने जा सके। जनसंघ एक नवजात राजनीतिक दल था।इसके बावजूद जनसंघ के घोषणापत्र में चुनाव पूर्व घोषित जमींदारी उन्मूलन की नीति का राजस्थान के जागीरदार विधायकों के विरोध को उन्होंने ठीक न मानते हुए 6 विधायकों को उनके जमींदारी उन्मूलन के जनसंघ के समर्थन का विरोध करने के कारण डॉ. मुखर्जी के निर्देश पर जनसंघ से निष्कासित किया गया था। इससे प्रकट होता है कि सामाजिक न्याय व दलीय अनुशासन के प्रति वह कितने समर्पित राजनेता थे!

जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को लेकर उन्होंने आंदोलन किया ही, किन्तु हैदराबाद और जूनागढ़ राज्यों के भारतीय संघ में विलय की बाधाओं को दूर कराने में भी डॉ. मुखर्जी ने सरदार पटेल के साथ मिलकर मंत्रिमण्डलीय बैठकों के निर्णयों को राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में मोड़ने का सफ्ल प्रयास किया। डॉ. साहब इस बात से बहुत व्यथित थे कि देश के नागरिकों को अपने ही देश के एक राज्य में जाने के लिए अनुमति-पत्र/परमिट लेनी पड़ती है। इसीलिए जब देश के दो प्रमुख सांसदों उमाशंकर त्रिवेदी तथा विष्णु घनश्याम देशपाण्डे को बिना परमिट के प्रवेश की अनुमति न देकर गिरफ्तार कर लिया गया तो डॉ. मुखर्जी ने इसे देश के नागरिकों का स्वदेश में अपमान मानते हुए प्रजा परिषद् द्वारा किए जा आंदोलन को समर्थन देने व राज्य में प्रवेश की परमिट व्यवस्था को समाप्त करने के उद्देश्य से 8 मई को जम्मू-कश्मीर की ओर प्रस्थान किया। 23 जून 1953 को श्रीनगर के एक बंगले में नजरबन्दी के रुप में रहस्यमय परिस्थियों में उनकी मौत ने सारे देश को स्तब्ध कर दिया।

हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड बेंगलुरु, उर्वरक कारखाना, सिंदरी तथा लोकोमोटिव कारखाना, चित्तरंजन, इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन, आल इण्डिया हैण्डीक्राफ्ट बोर्ड, आल इण्डिया हैण्डलूम बोर्ड, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड जैसे संस्थान डॉ. मुखर्जी की औद्योगिक नीति (1948) की देन है। स्वावलंबन व स्वदेशी के मार्ग पर चलकर इस नीति में उन्होंने वस्त्र उद्योग के व्यापक विस्तार की योजना को मूर्त रूप दिया। उसी का यह प्रतिफल है की भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में आज वस्त्र उद्योग की सबसे बड़े उद्योगों में गिनती होती है। भिलाई और राउरकेला में कालांतर में स्थापित इस्पात संयंत्रो की पृष्ठभूमि भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मंत्रित्व काल में ही बनी। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, यूनिवर्सिटीज कालेज आफ साइंस व शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय, कोलकाता जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थानो के प्रशासनिक समितियों में रहकर उन्होंने इन संस्थानों की संवृद्धि के भरसक प्रयास किए। 1943 में बंगाल में आए भीषण अकाल के समय पीड़ितो के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर को लिखे गए मार्मिक पत्रों व सामाजिक कार्यकर्ता के रुप में सक्रिय भूमिका के लिए उन्हे आज भी याद किया जाता है। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता के साथ कभी समझौता नहीं किया।

भारतीय भाषाओं के संपोषण का प्रश्न रहा हो अथवा मातृभाषा बांग्ला के प्रति आदर व अनुराग का भाव।वह पूर्ण रुप से भारत व भारतीयता के प्रति समर्पित थे।स्नातक में अंग्रेजी में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने बावजूद अपने पिता सर आशुतोष मुखर्जी की सलाह पर उन्होंने बांग्ला भाषा में एम.ए.किया और विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। डॉ. मुखर्जी द्वारा विज्ञान की शिक्षा बांग्ला में उपलब्ध कराने के लिए वैज्ञानिक शब्दावली का संकलन कराया गया।कलकत्ता विश्वविद्यालय में डॉ. मुखर्जी की पहल पर 1937 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा बांग्ला में प्रथम दीक्षांत भाषण हुआ। चाहे हिन्दी को राष्ट्र भाषा बनाने की मुहिम रही हो या उर्दू, हिन्दी और बांग्ला जैसी भारतीय भाषाओं के बी.ए. पाठ्यक्रमों को कलकत्ता विश्वविद्यालय में आरम्भ करवाने का निर्णय, डॉ. मुखर्जी ने औपनिवेशिक भाषातंत्र के स्थान पर भारतीय भाषाओं की संवृद्धि व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। वे मानते थे कि प्रत्येक देश को अपनी मातृभाषा में शिक्षा एवं न्याय उपलब्ध होना चाहिए। डॉ. मुखर्जी देश भारत की भाषाई एकता के लिए हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के बीच संयोजन के पक्षधर थे। वह पाश्चात्य शिक्षा के दुष्प्रभावों से परिचित हो चुके थे अत: उनका मानना था कि समाज में सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना भारतीय भाषाओं की एकात्मता से ही हो सकती है। डॉ. मुखर्जी का भाषाई अनुराग इतना गहरा था कि 1926 में इंग्लैंड में संपन्न अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयीय सम्मेलन में कलकत्ता विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने बांग्ला समेत सभी भारतीय भाषाओं के एकीकरण का पुरजोर समर्थन किया था। भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन में उनकी आस्था नहीं थी। डॉ. मुखर्जी व जनसंघ दोनों का विचार था कि भाषाई संरक्षण देश की संस्कृति को मजबूत करने में सहायक होगा। वह भारत में ही नहीं विश्व की शिक्षण संस्थाओं मातृभाषाओं के संरक्षण के हिमायती थे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में 'बहुभाषिकता और अध्ययन-अध्यापन के कार्य में भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन' डॉ. मुखर्जी के भारतीय भाषानुराग को ही प्रतिबिंबित करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के त्रिभाषा सूत्र क्रियान्वयन के वर्तमान भाषायी गतिरोध का समाधान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के देश की भाषा समस्या पर उनके विचारों के क्रियान्वयन से किया जा सकता है।

डॉ.मुखर्जी पर साम्प्रदायिक, रुढिवादी, कट्टर हिन्दू आदि होने के आरोप लगाएं जाते हैं, जो सही नही है। बंगाली साहित्यकार नजरुल इस्लाम को उनके द्वारा की गयी आर्थिक व चिकित्सकीय सहायता रही हो, उर्दू भाषा के संवर्धन के उनके प्रयास रहें हो अथवा महाबोधि सोसाइटी के अध्यक्ष के नाते बुद्ध के अवशेषों के संदर्भ में की गयी उनकी यात्राएं। वस्तुत: वह सर्वधर्म समभाव व वसुधैव कुटुम्बकम की भारतीय परंपरा के संवाहक थे। उनके व्यक्तित्व व कृतित्व का अब तक एकांगी विश्लेषण ही हुआ है। उम्मीद है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राजनीतिक व अकादमिक अवदान का व्यापक नजरिए से मूल्यांकन होगा तथा उनके वैचारिक उत्तराधिकारी के रुप में सत्तारूढ संप्रति केन्द्र सरकार डॉ. साहब के शैक्षिक, राजनीतिक वैज्ञानिक योगदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के व्यापक अभियान को आगे बढाएगी। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को निष्प्रभावी करने, वक्फसंशोधन कानून एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारत केंद्रित शिक्षा के क्रियान्वयन के संकल्प से राष्ट्रीय एकीकरण को बल मिला है। आशा है कि देश में विश्वविद्यालयों सहित स्कूली शिक्षा संस्थानों को परीक्षा लेने की संस्थाओं के स्थान पर शिक्षा दीक्षा, शोध व अनुसंधान के गुरुकुलों में बदलने, विकास में स्वदेशी साधनों संसाधनों पर निर्भरता, कृषक कल्याण व भारतीय संस्कृति के संरक्षण के ठोस प्रयासों सहित अन्य राष्ट्रीय प्रश्नों पर भी निर्भीक व संकल्पबद्ध निर्णय होंगे। जिससे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को सही मायनों में साकार किया जा सकेगा।

अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीयों के अपहरण के आतंकी व वैश्विक मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

अफ्रीकी देश माली में तीन भारतीयों के अपहरण के आतंकी मायने स्पष्ट हैं और साफ तौर पर भारत सरकार को आगाह करने वाले हैं। आखिर यह महज संयोग है या फिर कोई अभिनव प्रयोग, कि एक तरफ गत 1 जुलाई को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम अफ्रीका के देशों की यात्रा पर रवाना हुए, और दूसरी तरफ़पश्चिमी अफ्रीका के ही पश्चिमी माली में गत 1 जुलाई को ही कई जगहों पर आतंकवादी हमले हुए। इन हमलों के बाद तीन भारतीय नागरिकों को बंधक भी बना लिया गया है।

कहना न होगा कि जिस तरह से इस बारदात में शक की सुई कुख्यात वैश्विक आतंकवादी संगठन अलकायदा समर्थित मुखौटा संगठन नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन यानि जेएनआईएम की ओर घूम रही है, वह चिंता का विषय है। बताया जाता है कि जेएनआईएम वर्ष 2017 में अस्तित्व में तब आया था, जब इसने पश्चिम अफ्रीका में सक्रिय चार बड़े जिहादी गुटों- अंसार दिन, अल-मुराबितून, अल-कायदा इन द इस्लामिक मघरेब यानी एक्यूआईएम की साहेल ब्रांच और मकना कतीबात मसिना ने मिलकर इस संगठन की स्थापना की। चूंकि यह भी एक कट्टर इस्लामिक संगठन है, जिसका मकसद एक कट्टर इस्लामिक शासन की नींव रखना है। इसलिए इसी पर भारतीयों के अपहरण का शक है।

इस अजीबोगरीब अफ्रीकी आतंकी अपहरण की घटना के मायने स्पष्ट हैं, जो इस बात का इशारा करते हैं कि भारत विरोधी अमेरिका-चीन-पाकिस्तान-ईरान की आतंकी पकड़ कितनी ज्यादा है। कारण कि उनके इशारे के बिना भारत के प्रधानमंत्री की यात्रा के ठीक पहले ऐसी दुस्साहसिक कार्रवाई करने की जुर्रत किसी आतंकी संगठन में हो ही नहीं सकती है। इसलिए भारत सरकार को सजग हो जाना चाहिए और ऐसी वारदातों के बाद त्वरित सैन्य प्रतिक्रिया देने की गुंजाइश तलाशी जानी चाहिए। अन्यथा सम्बन्धित देश के मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्ट्री में हुआ, जहां हथियारबंद लोगों के एक समूह ने साइट में प्रवेश किया और वहां कार्यरत मजदूरों का अपहरण कर लिया। भारतीय विदेश मंत्रालय यानी एमईए के मुताबिक, पीड़ित इस फैक्ट्री के कर्मचारी थे और उन्हें जानबूझकर हिंसक घुसपैठ के दौरान निशाना बनाया गया है। एमईए ने कहा है कि यह घटना 1 जुलाई को हुई, जब हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्ट्री परिसर में एक कॉर्डिनेटेड हमला किया था और तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया।

हालांकि अब तक किसी आतंकी संगठन ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हमले के दिन ही जिस प्रकार से माली के कई हिस्सों में कॉर्डिनेटेड आतंकवादी हमले हुए, उससे संदेह की सुई सीधे अल-कायदा समर्थित संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन की तरफजाती है। ऐसा इसलिए कि जेएनआईएम ने उसी दिन कई अन्य शहरों जैसे कायेस, डिबोली और सांडरे में भी हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

समझा जाता है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के घातक प्रभावों के डर से आतंकियों ने इस घटना की सीधी जिम्मेदारी नहीं ली, क्योंकि इसमें ही भारतीयों का अपहरण किया गया था। यूँ तो भारत सरकार ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है। भारत सरकार ने माली सरकार से बंधकों की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की है। बताया गया है कि भारतीय दूतावास बमाको में स्थानीय अधिकारियों और फैक्ट्री प्रबंधन के संपर्क में है। उसके द्वारा पीड़ितों के परिवारों को लगातार जानकारी दी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन यानि जेएनआईएम एक कट्टर इस्लामिक संगठन है, जिसका मकसद एक कट्टर इस्लामिक शासन की नींव रखना है। ईयाद अग घाली और अमादौ कूफ़ा इस संगठन का नेतृत्व करते हैं। बताया गया है कि ईयाद एक टुआरेग जातीय नेता है जबकि कूफ़ा फुलानी, स्थानीय मुस्लिम समुदाय का प्रभावशाली इस्लामी उपदेशक हैं। इस प्रकार दोनों की घातक साझेदारी से पता चलता है कि जेएनआईएम सिर्फ इस्लामिक कट्टरता ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को भी रणनीति का हिस्सा बनाता है। उल्लेखनीय है कि जेएनआईएम ने खुद को अल-कायदा के आधिकारिक प्रतिनिधि के तौर पर स्थापित किया है। इससे साफ है कि यह भी उसी तरह का खुराफाती संगठन है। समझा जाता है कि जब से अमेरिका का पाकिस्तान प्रेम जगा है, तब से आतंकियों की चांदी हो गई है और वे अपना पुन: विस्तार कर रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ सालों में इसके कुछ बयानों में अल-कायदा का जिक्र नहीं होने से अटकलें हैं कि संगठन अपनी वैचारिक दिशा में बदलाव पर विचार कर रहा है।

जानकारों के मुताबिक, जेएनआईएम के पास इस समय तकरीबन 5-6 हजार लड़ाके हैं। इसकी संरचना काफी विकेंद्रित है, जिसकी वजह से ये अलग-अलग स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढाल लेता है। यह संगठन अलकायदा की फ्रेंचाइज शैली में काम करता है। जिसका अभिप्राय यह हुआ कि विभिन्न इलाकों में इसके स्थानीय कमांडर स्वतंत्र रूप से फैसले लेते हैं।

गौरतलब है कि जेएनआईएम ना सिर्फहथियारों से सुसज्जित संगठन है, बल्कि यह उन इलाकों में भी शासन करता है, जहां पर सरकार की पहुंच कमजोर है। यह इस्लाम के आधार पर अलग-अलग गांवों से समझौता करता है और इस्लामिक कानून को मानने वाले गांवों की सुरक्षा करता है। इसके बदले संगठन जकात (मजहबी टैक्स) वसूल करता है। वहां पर यह इस्लामी शरीया कानून भी लागू करता है, जिसमें महिलाओं की पढ़ाई पर सख्त प्रतिबंध है।

बताते चलें कि पिछले एक दशक में साहेल क्षेत्र, खास तौर पर माली, बुर्किना फासो और नाइजर कुख्यात आतंकवाद का केंद्र बन गया है। समझा जाता है कि यूरोपीय देश फ्रांस और संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की नकारात्मक भूमिका को लेकर यहां नाराजगी है। स्थानीय सरकारों की तानाशाह रवैये ने भी स्थिति को और ज्यादा खराब ही किया है। जेएनआईएम ने लोगों के इसी गुस्से और सरकार के नकारेपन का फायदा उठाया है और अपने प्रभाव का आशातीत विस्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि मई 2025 में इसने बुर्किना फासो के डजीबो में हमला कर लगभग 100 लोगों की हत्या कर दी थी। इतना ही नहीं, जेएनआईएम अब पश्चिमी माली से लेकर बेनिन, नाइजर और यहां तक कि नाइजीरिया की सीमा तक एक 'जिहादी बेल्ट' बनाने में जुटा हुआ है। यह बेल्ट संगठन के नियंत्रण वाले इलाकों को जोड़ती है, जहां वह टैक्स वसूलने का साथ साथ शरीया कानून के तहत शासन करता है।

बताया जाता है कि अफ्रीका महादेश के विभिन्न देशों में अमेरिका, रूस, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान के अतिरिक्त भारत और चीन की दिलचस्पी बढ़ रही है। इसलिए पारस्परिक प्रतिस्पर्धा में एक दूसरे को मात देने व उनकी राहों में कांटे बोने के लिए ऐसे ही आतंकी समूहों को गुप्त मदद दी जाती है। इसलिए अफ्रीकी देश माली की सरकार को तीनों अपहृत भारतीयों की बरामदगी सुनिश्चित करना चाहिए। साथ ही इस अपहरण के आतंकी मायने वैश्विक नजरिए से विश्लेषित करते हुए एहतियाती उपाय भी किया जाना चाहिए। अन्यथा विकास अवरूद्ध होगा और विनाश तेज! जो किसी के हक में नहीं होगा। वहीं, भारत सरकार को चाहिए कि वह संयुक्त राष्ट्र संघ, जी- 7, ब्रिक्स, जी-20 आदि सभी मंचों पर विकसित देशों की मदद से आतंकी उत्पादक देशों की बढ़ती खुराफाती प्रवृति पर लगाम लगवाए, अन्यथा फैसला ऑन द स्पॉट कर देने की नसीहत दे, क्योंकि बिनु भय होहिं न प्रीति वाली कहावत सब जगह पर लागू होती है।

अयोध्या को क्यों कहते हैं धार्मिक नगरी

अयोध्या नगरी यूं ही खास नहीं है, बल्कि इस नगर से विशेष धार्मिक महत्व भी जुड़े हैं। इसलिए तो अथर्ववेद में इसे देवताओं का स्वर्ग बताया गया है। सरयू नदी में बसी पवित्र नगरी अयोध्या को स्कंद पुराण में ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों की पवित्र स्थली कहा गया है। अथर्ववेद में अयोध्या को ईश्वर का नगर बताते हुए इसकी तुलना स्वर्ग से की गई है। वहीं स्कंद पुराण के अनुसार, अयोध्या का 'अ' शब्द ब्रह्मा 'य' कार विष्णु और 'ध' कार रुद्र का स्वरूप है। वहीं महाकवि महर्षि वाल्मीकि ने भी महाकाव्य रामायण में अवध को पवित्र नगर बताया है।अयोध्या नगरी के धार्मिक दृष्टिकोण को लेकर एक कथा खूब प्रचलित है। जिसके अनुसार, अयोध्या के महाराज विक्रमादित्य एक बार भ्रमण करते हुए सरयू नदी के पास पहुंचे। उस समय उन्हें अयोध्या की भूमि में कुछ चमत्कार दिखाई दिए। आस-पास के संतों ने महाराज विक्रमादित्य को अवध भूमि की धार्मिक महत्ता के बारे में बताया। इसके बाद विक्रमादित्य ने यहां विभिन्न मंदिरों, सरोवर, कूप आदि का निर्माण कराया।इसके साथ ही अयोध्या नगरी में एक सीता कुंड भी। मान्यता है कि, इस कुंड में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप कर्मों का नाश होता है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक सप्तपुरियों में अयोध्या का स्थान प्रथम है। अयोध्या को श्रीराम की जन्मभूमि के साथ ही साकेत नगरी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदुओं के साथ ही बौद्ध और जैन धर्म के लिए भी अयोध्या नगरी का धार्मिक महत्व है। आइये जानते जन्मभूमि अयोध्या कैसे नगरी।

अयोध्या की स्थापना

रामायण के अनुसार, सरयू नदी के किनारे बसी अयोध्या नगरी की स्थापना सूर्य पुत्र वैवस्वत मनु द्वारा की गई। वैवस्वत मनु का जन्म लगभग 6673 ईसा पूर्व बताया जाता है। ये ब्रह्मा जी के पौत्र कश्यप की संतान थे। इसके बाद मनु के 10 पुत्र हुए जिनमें- इल, इक्ष्वाकु, कुशनाम, अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्याति और पृषध थे। इक्ष्वाकु कुल में ही भगवान राम का जन्म हुआ था।

कैसे हुआ देवशिल्पी नगर 'अयोध्या' का निर्माण

स्कंद पुराण के अनुसार, जिस तरह से काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है। ठीक इसी तरह से अयोध्या विष्णु जी के सुदर्शन चक्र पर बसी है। इसे लेकर एक पौराणिक कथा है, जिसके अनुसार, मनु ब्रह्माजी के पास एक नगर निर्माण की योजना लेकर पहुंचे। ब्रह्माजी ने मनु को भगवान विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने मनु के लिए साकेतधाम का चयन किया। साकेतधाम के निर्माण के लिए ब्रह्मा जी, मनु, भगवान विष्णु, शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा और महर्षि वरिष्ठ गए। भूमि का चयन सरयू नदी के किनारे किया गया और इसके बाद आरंभ हुई देवशिल्पी नगर निर्माण की। इसलिए अयोध्या को साकेत के नाम से भी जाना जाता है। वहीं भगवान राम के जन्म के समय इस नगर को अवध के नाम से जाना जाता था।

अयोध्या नगरी से जुड़ी खास बातें

- वाल्मीकि रामायण के 5वें सर्ग के बालकांड में अयोध्या का वर्णन करते हुए कहा गया है कि अयोध्या 12 योजन लंबी और 3 योजन चौड़ी थी।
- अयोध्या मंदिर और घाटों की प्रसिद्ध नगरी भी है। यहां के प्रसिद्ध सरयू नदी के किनारे 14 प्रमुख घाट भी हैं। जिसमें- गुप्त द्वार घाट, कैकयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाट, लक्ष्मण घाट आदि हैं।
- अयोध्या में ही भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इसलिए इसे राम जन्मभूमि कहा जाता है। लेकिन इसी के साथ यहां कई महान योद्धा, ऋषि-मुनि और अवतारी पुरुष भी हुए। जैन मतानुसार, अयोध्या में ही आदिनाथ समेत 5 तीर्थंकारों का भी जन्म हुआ था।
- 12 वीं सदी के आसपास अयोध्या में बड़े पैमाने पर सूफी-संतों के भी रहने का प्रमाण मिलता है।
- कहा जाता है कि, भगवान श्रीराम जी के समाधि लेने के बाद त्रेतायुग में ही अयोध्या नगरी उजड़ गई थी। तब श्रीराम के पुत्र कुश ने अयोध्या को फिर से बसाया।
- कुश द्वारा अयोध्या का पुनर्निर्माण कराने के बाद सूर्यवंश की अगली 44 पीढ़ियों तक अयोध्या का अस्तित्व बरकरार रहा। लेकिन महाभारत युद्ध के बाद अयोध्या फिर से उजाड़ हो गई।
- इसके बाद अयोध्या मौर्य से लेकर गुप्त, कन्नौज, मुगल शासकों के अधीन रही। 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी।
- इसके बाद भी अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद नहीं थमा और कई आंदोलन व सांप्रदायिक दंगे हुए। मामला कोर्ट पहुंचा और लंबी लड़ाई के बाद फैसला श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आया।
- अब एक बार फिर से पवित्र और धार्मिक नगरी श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हुआ, जिसमें रामलला विराजें।

पढ़ने के दौरान नींद आए तो क्या करें

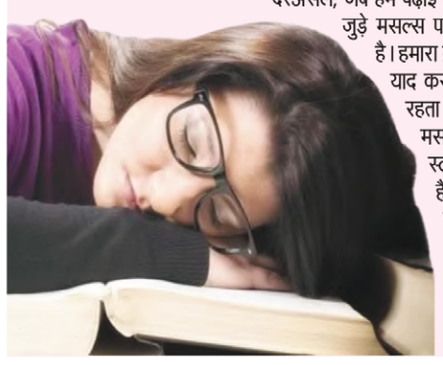

पढ़ने के दौरान कई बार किताबें उठाते ही क्या आपके बच्चे को भी नींद आने लगती है। बच्चों ही नहीं बड़ों के साथ भी ये समस्या देखने को मिलती है। चाहकर भी वे पढ़ नहीं पाते हैं। दरअसल, जब हम पढ़ाई करते हैं तो आंखों से जुड़े मसल्स पर प्रेशर पड़ने लगता है। हमारा ब्रेन पढ़ी हुई चीजों को याद कर उसे कलेक्ट करता रहता है। जब आंखों के मसल्स थक जाते हैं या स्लो काम करने लगते हैं तो नींद आने लगती है। कई बार पढ़ने के दौरान हमारे बैठे का तरीका भी गलत होने पर नींद आ सकती है।

अंधेरे में पढ़ाई न करें

जब भी आप पढ़ाई करने बैठे तो ऐसी जगह चुनें जहां पर्याप्त रोशनी हो। इससे आंखों पर कम प्रभाव पड़ेगा और कम रोशनी वाली जगह बैठने से भी बच जाएंगे।अंधेरे में पढ़ाई करने पर नींद आने लगती है।

ओपन स्पेस में ही पढ़ें

खुली जगहों जैसे छत या बालकनी में हवा और रोशनी काफी अच्छी आती है। इसलिए ऐसी जगहों पर पढ़ाई करना चाहिए। इससे सुस्ती कम महसूस होगी और नींद भी नहीं आएगी। इसका फायदा आंखों को भी होगा।

कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें

कुछ लोग बिस्तर पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। ऐसा करने से आलस और सुस्ती महसूस होती है। जिससे पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगेगा। इसलिए जब भी पढ़ाई करें तो टेबल और कुर्सी पर करें।

पढ़ाई से पहले हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद सुस्ती और नींद आना स्वाभाविक है। ऐसे में जब भी खाना खाएं तो तुरंत बाद पढ़ने न बैठें।
पढ़ने से पहले हल्का और पचने वाले भोजन करें। इससे नींद नहीं आएगी और आलस भी नहीं लगेगा।

तांबे के बर्तन से पानी पीने के फायदे

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर

तांबे के बर्तन में रखा पानी एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इस पानी को पीने पर शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की छुट्टी हो जाती है। इसके अलावा, कॉपर मेलानिन के प्रोडक्शन में हेल्प करता है जिसस त्वचा सूरज की हानिकारक किरणों से बचती है।

एजिंग प्रोसेस धीमा होता है

कॉपर इलास्टिन और कोलाजन के प्रोडक्शन में मदद करता है। इलास्टिन और कोलाजन स्किन को जवां बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। कॉपर की बोतल में पानी रखा जाए और इस पानी को नियमित रूप से पिएं तो त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइंस कम नजर आती हैं।

पाचन रहता है दुरुस्त

तांबे वाला पानी पाचन के लिए अच्छा होता है। इस पानी को पीने पर डाइजेस्टिव रसों का प्रोडक्शन बढ़ता है, इससे पाचन बेहतर तरह से हो पाता है और डाइजेस्टिव अंगों को भी सहायता मिलती है।

हर्बल टी पीने के फायदे

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये सर्दियों में गले में बहुत आराम देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय सर्दियों का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्द की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है। इसी तरह मिंट टी भी पी सकते हैं। मिंट टी पेट के लिए बेहतरीन होती है।

चिपचिपे बालों को इस तरह करें शैम्पू

गर्मी के मौसम में बाल धोने के अगले दिन से ही ये फिर से गंदे नजर आने लगते हैं। जिसकी वजह से काफी उलझन होती है। और किसी भी तरह की कोई हेयरस्टाइल भी नहीं बन पाती। अगर आप भी इस तरह की समस्या से रोजाना दो चार होती हैं। तो शैंपू करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। क्योंकि गंदे बालों से ना केवल बदबू आना शुरू हो जाती है। बल्कि इससे चेहरे और गर्दन पर भी एक्ने की समस्या होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि बालों को सही तरह से शैंपू कर धोया जाए।

शैंपू करने का सही तरीका

हो सकता है कि आप शैंपू करती हों लेकिन वो स्कैल्प से तेल को ना हटा पाता हो। इसका कारण है स्कैल्प में ठीक से शैंपू का ना पहंचना। इसके लिए आप शैंपू को पानी में घोलकर गीला कर लें। फिर इसको बालों में डालकर शैंपू करें। क्योंकि गीला शैंपू बालों में तेजी से फैलता है।
स्कैल्प पर शैंपू करते वक्त उंगलियों की सहायता लें। उंगलियों से बालों को धीरे-धीरे करके मसाज करें। जिससे कि सारा शैंपू पूरे बालों में लग जाए और अच्छी तरह से गंदगी छुट जाए। फिर बालों को पानी से अच्छी तरह से साफ कर लें। -जिससे कि सारा शैंपू ठीक से छुट जाए। शैंपू करते वक्त कभी भी जल्दबाजी में ना रहें। आराम से बालों में शैंपू को लगाकर कम से कम एक से दो मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इन्हें उंगलियों की सहायता से मसाज करके पानी से धोएं। ऐसा करने से बालों का सारा तेल एक बार में ही निकल जाएगा।

खाना खाने के बाद जरूर खाइए इलायची

माना जाता है कि इलायची के बीज, तेल और अर्क में प्रभावशाली औषधीय गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं तो फिर आपको इसको ढेरो फायदे होंगे। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं, तो फिर आपको इसके ढेरो फायदे होंगे। तो चलिए आपको बताते हैं इलायची खाने के कितने फायदे हैं।

- इलायची के एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो मांसपेशियों को तंदुरुस्त रखने में का काम करते हैं। लेकिन ज्यादा सेवन शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है, जिससे पेट खराब हो सकता है।
- इलायची का इस्तेमाल पेट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद में तीखी होती है लेकिन फायदे बहुत होते हैं। इसके सेवन से दिल की सेहत भी अच्छी होती है। यह नींद की समस्या से भी निजात दिलाने का काम करती है।
- यह मसाला गुर्दे की पथरी को ठीक करने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा सर्दी जुकाम (cold cough) में इससे से बनी चाय आराम पहुंचाती है। तो आज से ही आप इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना लीजिए।

सावन में पहनें लाल रंग की ऐसी सुंदर साड़ी...

मिलेगा डिवाइन लुक

सावन के महीने में वैसे तो सब हरा रंग पहनते हैं ,लेकिन पूजा-पाठ के मौके पर अगर आप अलग दिखना चाहती हैं तो लाल रंग की इन डिफरेंट वैरायटी की साड़ी को पहनकर रेडी हो सकती हैं।

रेड साड़ी लुक

सावन का महीना भक्ति और पूजा-पाठ और त्योहारों का होता है। अब त्योहार हैं या पूजा, ट्रेडिशनल तरीके से तैयार होना चाहती हैं तो सावन में हरे रंग की साड़ी के अलावा लाल रंग भी पहन सकती हैं। पूजा-पाठ से लेकर सावन की किटीपार्टी में भीड़ में सबसे हटके दिखना है तो ऐसी लाल रंग की साड़ी पहनकर रेडी हो जाएं। सब मुड़-मुड़कर देखेंगे।

रेड नेट साड़ी

पूजा पाठ के मौके पर अगर आप थोड़ा हैवी लुक चाहती हैं तो इस तरह की शियर फैब्रिक या नेट फैब्रिक में साड़ी पहन सकती हैं। लुक को कंफर्टेबल बनाने के लिए स्लीक बन बनाएं और केवल ईयररिंग्स से लुक को कंप्लीट करें। बॉर्डर पर बनी डिजाइन वाली साड़ी स्पेशल ओकेजन पर ब्यूटीफुल दिखती है।

कॉटन मरून साड़ी

सिंपल सा लुक चाहती हैं तो एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या की तरह कॉटन की मरून शेड की साड़ी को कलरफुल ब्लाउज के साथ पेयर करें। इस तरह की साड़ियां भी कंफी लुक देंगी।

हैवी सिल्क साड़ी

सिल्वर जरी बॉर्डर के साथ हैवी सिल्क की रेड साड़ी स्पेशल पूजा के मौके पर ब्यूटीफुल दिखती है। साथ में एक्ट्रेस की तरह लुक को भी कैरी करें।

लाइनिंग वाली साड़ी

लाइटवेट या कॉटन फैब्रिक की मरून शेड की लाइनिंग वाली साड़ी सिंपल और डिवाइन लुक देगी। साथ ही सावन में लगने वाली उमसभरी गर्मी में कंफर्टेबल भी रहेगी।

फ्लोरल प्रिंट सिल्क साड़ी

लाइटवेट सिल्क की फ्लोरल प्रिंट साड़ी हटके लुक देगी। फातिमा सना शेख की ये साड़ी गॉर्जियस लुक देने में मदद करेगी।

ट्रेडिशनल रेड साड़ी लुक

ट्रेडिशनल रेड साड़ी पहनकर रेडी होना है तो नयनतारा का लुक परफेक्ट है। बाल में गजरा, झुमका के साथ क्लासिक गोल्डन जरी बॉर्डर की साड़ी ब्यूटीफुल दिखेगी।

बच्चे को नहलाने से पहले ध्यान में रखें ये बातें

बड़े से लेकर बच्चे, सभी को नहाने में मजा आती हैं। लेकिन सभी लोग ठंडे पानी वाले किसी भी काम को करने से बचते हैं। लेकिन कुछ लोग ऑफिस के चलते शाम में घर वापस आने पर नहाते हैं और अपने छोटे बच्चे को भी उसी समय नहलाते हैं। गर्मी में तो ये ठीक है लेकिन ठंड का मौसम में ऐसा करना गलत है। ठंड में अगर बॉडी पर अधिक ठंडा पानी डाला गया तो इससे बॉडी को बहुत नुक्सान हो सकता है। बल्कि डॉक्टर सीधे सिर पर पानी डालने से मना करते हैं क्योंकि इससे ब्रेन हेमरेज होने का खतरा रहता है। वासे तो बच्चों को रात में नहलाना ज्यादा रिस्की हो सकता हैं।

भूलकर भी ना यूज करें ठंडा पानी

ठंडा पानी बर्दास्त के बाहर होता है। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को रात में ठंडे पानी से नहलाएंगे तो ये उनकी नाजूक स्किन के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता हैं। ऐसा करने से उनकी त्वचा लाल हो सकती हैं और इंफेक्शन होने का भी डर रहता है। अपने बच्चे को हमेशा हल्के गुनगुने पानी से नहलाएं।

सीधे रजाई में लेकर ना जाएं

अगर आपकी भी आदत हैं अपने बच्चे को रात में नहलाकर उसे सीधे रजाई में लेकर घूस जाने की तो इसे आज और अभी से छोड़ दें। ऐसा करने से उसके बॉडी का तापमान अचानक से बदलता हैं जिससे वायरल बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे बच्चे को सांस से जुड़ी समस्या हो सकती हैं।

सीधे पानी में ना डालें

कई लोग अपने बच्चे को नहलाने के लिए सीधे बाथ टब में डाल देते हैं। ऐसा करना बंद कर दें। छोटे बच्चों को नहलाने के लिए पहले उनकी बॉडी को टावल भीगोकर अच्छी तरह से पोछें। फिर उन्हें हल्के गर्म पानी से वाइप करें।

देर रात सोने के फायदे

ये तो हमने कई बार सुना है कि रात में देर तक सोने से शरीर को कई तरह की नुकसान को झेलना पड़ता है। लेकिन क्या आपको पता है इसके कई सारे फायदे भी हैं। अगर आप रात में देर तक जागते हैं तो इसका आपके दिमाग पर कुछ ऐसा असर होता है। आप इसे इसके फायदे की तरह भी देख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता है कि रात में देरी से सोने वाले लोग काफी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। जो रात में देर से सोते हैं उन्हें रात के वक्त अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं क्योंकि रात के वक्त उनका दिमाग शांत हो जाता है। रात में उन्हें अच्छे विचार आते हैं। देर रात सोने वाले ज्यादा स्मार्ट और चालाक किस्म के होते हैं। कई रिसर्च में यह बात साफ भी हो चुकी है कि उनका आईक्यू लेवल काफी ज्यादा होता है। यही नहीं वो बहुत ही ज्यादा क्रिएटिव, जिज्ञासु, बहादुर स्मार्क होते हैं। यानि वह आधी रात अकेले बैठकर आराम से फिल्म देख सकते हैं। ऐसे लोग अपने काम फटाफट से करते हैं। जाहिर है कि अगर रात में देर से सो रहे हैं तो सुबह देर से ही जागेंगे। लेकिन आगे के काम करने में देरी हो सकती है। जो लोग रात में देर तक जागते हैं वह अपनी पढ़ाई रात में बहुत जल्दबाजी में कर लेते हैं। डेडलाइन तो इनके लिए बच्चों का खेल है। ये रात के वक्त अपने टाइम का अच्छा इस्तेमाल करते हैं।

दिमाग में तरह-तरह का आइडिया आता है

जिन लोगों को रात के वक्त देर तक जागने की आदत है उन्हें रात के वक्त तरह-तरह के आइडिया आते हैं। इस आइडिया को ध्यान में रखकर वह अगले दिन को लेकर प्लान कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

10 करोड़ के साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश किया, पालघर से दो गिरफ्तार

दंतेवाडा (समय दर्शन)। किरंदुल पुलिस ने 10 करोड़ रुपये से अधिक के साइबर फ्रॉड के मामले में महाराष्ट्र के पालघर से दो आरोपियों, अर्पित सिंह (25) और सूरज चौहान (23), को गिरफ्तार किया। शेल कंपनी बनाकर फर्जी बैंक खातों से ठगी करने वाले इस अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ कार्रवाई में पहले गुजरात से तीन आरोपी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस ने 1 लाख रुपये नकद, 2 मोबाइल, 8 एटीएम, 11 चेकबुक, पैन कार्ड, आधार कार्ड और कंपनी दस्तावेज जप्त किए। किरंदुल के एक एनएमडीसी कर्मचारी से 28 लाख रुपये की ठगी के मामले में यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के नेतृत्व में साइबर सेल और किरंदुल पुलिस सक्रिय है। नागरिकों से साइबर फ्रॉड से बचने और हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करने की अपील की गई।

गुरूपूर्णिमा पर शक्तिधाम महाकाली मंदिर में होगा भव्य आयोजन

राजनांदगांव। शहर के बाबुटोला स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में इस वर्ष भी परंपरागत रूप से गुरु-शिष्य की आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक पर्व गुरुपूर्णिमा 10 जुलाई को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। मंदिर समिति ने आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुपूर्णिमा के दिन प्रात: 8.30 बजे मां काली की पूजा-अर्चना के साथ आयोजन की शुरुआत होगी। इसके पश्चात सुबह 9 बजे पादुका पूजन किया जाएगा। 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक गुरु-पूजन दर्शन का मुख्य आयोजन आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। गुरु-पूजन के उपरांत दोपहर 12 से 1 बजे तक प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके पश्चात 1 बजे से 2.30 बजे तक श्रमदान व सफाई अभियान के साथ वृक्षारोपण का कार्यक्रम होगा। यह आयोजन न सिर्फ धार्मिक बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी संदेश देगा। दोपहर 3 बजे वरिष्ठ शिष्यों द्वारा नवागंतुक सदस्यों के लिए उद्बोधन रखा गया है। इसके बाद 3.30 बजे गुरु आशीर्वचन और शाम 4 बजे भजन-कीर्तन का आयोजन होगा, जिसमें भक्तिमय वातावरण का अनुभव लिया जा सकेगा। शक्तिधाम के प्रधान संस्थापक एवं मुख्य पुजारी गुरुदेव हरीश यादव के सान्निध्य में कार्यक्रम संपन्न होगा। मंदिर समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर गुरु-भक्ति के इस पर्व को सफल बनाने की अपील की है।

मेयर ने नये सौंपे गए प्रभार, इंजीनियरों की बैठक ली

दुर्ग (समय दर्शन)। आज मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने इंजीनियरों को सौंपे नए प्रभार वार्डो की जिम्मेदारी मिलने के बाद आज मेयर श्रीमती अलका बाघमार ने इंजीनियरों की बैठक लेकर निर्माण कार्यो में तेजी लाने बारी-बारी कार्यो की जानकारी ली।मेयर श्रीमती बाघमार ने कहा वार्डो के भीतर जर्जर सड़को मे डस्टफीलिंग डालने के लिए जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश। मेयर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि बिना लेआउट स्वीकृति के भवन अनुज्ञा नही प्राप्त होगी,अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही होगी।बैठक में अधिकारी भी विकास कार्यो को लेकर गंभीरता दिखाए अधिकारी फील्ड मे जाकर निरीक्षण करेंगे।ठेकेदारो के भरोसे कार्यो को ना करवाये,शहर में चल रहे विकास कार्यो को जल्द पुरा कराए। शहर क्षेत्र के वार्डो के भीतर सड़क में पानी भराव की स्थिति ना हो उसको ध्यान मे रखते हुए कच्ची सड़क से पानी निकासी हेतु नाली की व्यवस्था बनाए।जल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के पालन को लेकर सख्ती के निर्देश दिए गए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पहले से अनिवार्य है, लेकिन नगर निगम द्वारा अब इसे लेकर सख्ती बरती जाएगी निरीक्षण करने के निर्देश दिए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के सत्यापन के बिना,किसी भी भवनों को पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं होगा।ठेकेदार समयसीमा में पूर्ण नहीं करते तो नियमानुसार उनके टेंडरों को निरस्त कर ब्लेक लिस्ट करने की कार्यवाही की जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान में विधायक व जिला पंचायत अध्यक्ष हुए शामिल

राजनांदगांव। छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिरचारी कला स्थित हायर सेकंडरी शाला परिसर में एक पेड़ मां के नाम 2.0 वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत औषधीय, फ्लदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण सरंक्षण को नई दिशा देने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर खुज्जी विधायक भोलाराम साहू व जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव सहित कई जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता दर्ज कर प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अनूठी पहल के माध्यम से शाला प्रबंधन ने न सिर्फ परिसर को हरा-भरा बनाने की पहल की, बल्कि मातृत्व के प्रति श्रद्धा भी व्यक्त की। एक पेड़ मां के नाम जैसी भावनात्मक अवधारणा ने लोगों के हृदय को छू लिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विधायक भोलाराम साहू ने आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा, वृक्षारोपण न सिर्फ जिम्मेदारी है, बल्कि यह प्रकृति से हमारा जुड़ाव भी दर्शाता है। पौधों की रक्षा कर हम अगली पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन दे सकते हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव ने जल संरक्षण पर चिंता जताते हुए वर्षा जल संचयन एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण पर बल दिया।

इस अवसर पर संकुल प्राचार्य एसबी उर्वशा, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष प्रहलाद मिश्रा, प्रधान पाठक हेमंत सलामे, नरेश शुक्ला, लालचंद साहू, देवेंद्र साहू, पोखराज मंडावी, नरेन्द्र दमोहे, भूषण वाडेकर, अंजनी शर्मा सहित कई गणमान्यजनों ने शाला परिसर में पौधरोपण किया।

प्रधान पाठक सलामे ने कहा, पर्यावरण के लिए हर व्यक्ति का योगदान आवश्यक है, यह महाअभियान जनचेतना को जागृत करने का माध्यम बना है।

कार्यक्रम के समापन पर शाला प्रबंधन ने वृक्षारोपण में भागीदारी निभाने वाले सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, स्व सहायता समूह की दीदियों और ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त किया। वृक्षारोपण के इस महायज्ञ में सौ से अधिक पौधे रोपे गए, जिससे परिसर में हरियाली और सौंदर्य दोनों में वृद्धि होगी।

इस मौके पर विमला माहेश्वरी, दुलेश्वरी मंडावी, हिरदे सिन्हा, जगदीश मिश्रा, महेश मंडावी, दुर्गेश मालेकर, हीरालाल गजभिए, महेश पड़ोती, गज्जू कन्नौजे, गजेंद्र सर, शैलेन्द्र देवांगन, शेख आबिद कुरैशी, कमलेश देवांगन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि वृक्ष केवल प्रकृति का सौंदर्य नहीं बढ़ाते, बल्कि जीवन के संवाहक, स्वास्थ्य के रक्षक और भविष्य के संरक्षक भी हैं।

खनन में नई तकनीक सहित अन्य विषयों पर राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल परियोजना में 6 जुलाई को खनन में नई तकनीकों और उन्नत प्रौद्योगिकियों का प्रभाव: चुनौतियां और संभावनाएं एवं अपशिष्ट उत्खनन की आवश्यकता: एक अवलोकन विषयों पर राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संजीव साही, अधिशासी निदेशक, का विभागाध्यक्षों के साथ पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि ने सेमिनार की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि भाषा सर्वसमावेशी और संप्रेषण में बाधारहित होनी चाहिए। तकनीकी शब्दावली भाषा की सहजता को बढ़ाती है। उन्होंने किरंदुल परियोजना द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस सेमिनार की सराहना की और तकनीकी आलेखों के संकलन तकनीकी क्षितिज पत्रिका का विमोचन किया। के.एल. नागवेणी, उप महाप्रबंधक (कार्मिक), ने सेमिनार की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और इस आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सर्वश्री के.पी. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), राजेश संधु, सचिव एसकेएमएस, और ए.के. सिंह, सचिव एमएमडब्ल्यू यूनियन, ने भी सेमिनार के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।सेमिनार दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें पन्ना, बचेली, और किरंदुल के प्रतिभागियों ने पावरपॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से चयनित विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न और विभागाध्यक्षों को सम्मान चिह्न प्रदान किए।कार्यक्रम में सर्वश्री एम. सुब्रमण्यम, महाप्रबंधक (विद्युत), देवरायलू, अध्यक्ष एसकेएमएस, एस. गुहा, उप महाप्रबंधक (वित्त), सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशिक्षण व सुरक्षा), सहित कार्मिक विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन संजय पाटील, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा), ने किया, जबकि ए.पी. पांडव, वरिष्ठ आशुलिपिक (हिंदी), उमेश ठाकुर, अमित मरकाम, और कार्मिक विभाग के अधिकारियों के योगदान से कार्यक्रम सफल रहा।

सालेम मिशन स्कूल में प्रिंसिपल के खिलाफआंदोलन

नितिन लॉरेंस की वकीली धमकी पर बवाल

रायपुर/बिलासपुर। सालेम मिशन स्कूल में प्रिंसिपल रूपिका लॉरेंस के खिलाफचल रहे शिक्षक आंदोलन ने अब एक नया और विवादास्पद मोड़ ले लिया है। जहां शिक्षकगण वेतन भुगतान और अन्य अनियमितताओं को लेकर प्रिंसिपल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं स्कूल की प्रिंसिपल के पति नितिन लॉरेंस ने आंदोलनकारियों को वकीली नोटिस भेजकर नया बवंडर खड़ा कर दिया है।

प्रदर्शनकारियों ने इस पर तंज कसते हुए कहा, यह तो वही बात हो गई जैसे पराई शादी में अब्दुल्ला दीवाना, और दीवानगी की हद ये कि खुद नोटिस में अपराध स्वीकार कर रहे हैं! वास्तव में, वकीली नोटिस के बिंदु 3 और 4 में खुद नितिन लॉरेंस ने स्वीकार किया है कि कोविड काल में स्कूल के शिक्षकों को सैलरी नहीं मिली, और उन्होंने इसकी जिम्मेदारी उस समय के अधिकारियों पर डाल दी।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि संस्था वही रहती है, चाहे अधिकारी कोई भी हो, और वर्तमान नेतृत्व — जिसमें प्रिंसिपल रूपिका लॉरेंस शामिल हैं — पर ही जवाबदेही आती है।

प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने व्यंग्य में कहा:अगर नितिन लॉरेंस की सोच माने तो कल वो बिजली-पानी का बिल भी नहीं पटाएंगे, ये कहकर कि अगले अफसर से वसूल लो!

उन्होंने कहा कि जब नितिन लॉरेंस ने जिम्मेदारी की गद्दी संभाली है तो फिर वेतन, पीएफऔर अन्य वित्तीय दायित्वों से मुंह नहीं मोड़ सकते।

अब यह वकीली नोटिस खुद नितिन लॉरेंस, प्रिंसिपल रूपिका लॉरेंस और बिशप सुषमा कुमार के खिलाफलेबर कमिश्नर और एजुकेशन ऑफिसर को भेजा जाएगा।

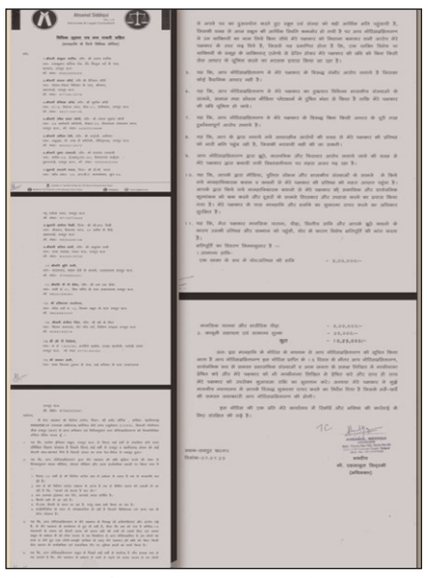

मांग की जा रही है कि: सात दिन में सभी शिक्षकों को बकाया वेतन दिया जाए

EPF (पीएफ) की राशि जमा की जाए और अपडेटेड स्टेटमेंट उपलब्ध कराई जाए।

यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो सरकार संबंधित अधिकारियों पर नोटिस जारी कर कुर्की की कार्रवाई करेगी।

डायोसिस ऑफछत्तीसगढ़ की चुप्पी और बिशप कार्यालय से लगातार आ रहे प्रेस बयान और नोटिस इस बात का संकेत हैं कि अंदरूनी हालात गंभीर हैं। अब देखना यह होगा कि सरकार और शिक्षा विभाग इस बढ़ते विवाद पर क्या रुख अपनाते हैं।

भाजपा विकास के नाम पर विनाश फैला रही है : भूपेश

रायपुर (समय दर्शन)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार को रायपुर पहुंचे, जहां उनका पारंपरिक आदिवासी नृत्य के साथ भव्य स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने उनका अभिनंदन किया।

श्री खड़गे रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित की प्रदेशभर से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। पार्टी के अनुसार, बारिश के बावजूद जनसभा को लेकर लोगों में भारी उत्साह देखा जा गया ।

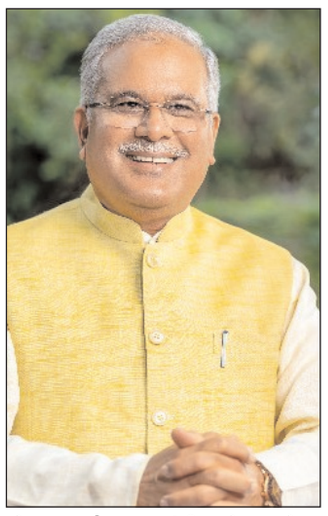

मल्लिकार्जुन खड़गे के दौरे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा करते हुए । उन्होंने कहा बारिश हो रही है फिर भी कांग्रेस के कार्यकर्ता और जनता मैदान में डटी रही है, यह हमारे संगठन की ताकत है।

उन्होंने मैनपाट में चल रहे भाजपा प्रशिक्षण शिविर को लेकर भी तंज कसा और प्रदेश में जंगलों की कटाई पर चिंता जताई। उन्होंने भाजपा सरकार पर विकास के नाम पर विनाश फैलाने का आरोप लगाया।

खड़गे का यह दौरा आगामी चुनावों को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी इसे जनता से जुड़ाव और सांगठनिक मजबूती का अवसर मान रही है। जनसभा के माध्यम से पार्टी अपनी नीतियों और सरकार के खिलाफ मुद्दों को जनता तक पहुंचाएगी।

शक्ति पम्प्स (इंडिया) लिमिटेड ने सफलतापूर्वक QIP इश्यू से जुटाए 292.60 करोड़

इंदौर। शक्ति पम्प्स (इंडिया) लिमिटेड (बीएसई: [531431], एनएसई: [SHAKTIPUMP]) ने यह घोषणा की है कि कंपनी ने इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (QIP) इश्यू को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और इस माध्यम से 292.60 करोड़ की पूंजी जुटाई है। इस QIP इश्यू को मौजूदा और नए प्रमुख इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जो कंपनी के भविष्य की संभावनाओं और अब तक के प्रदर्शन में उनके भरोसे को दर्शाता है। इस पूंजी का उपयोग मध्य प्रदेश के पीथमपुर में सोलर डीसीआर. सेल और सोलर पीवी मॉड्यूल निर्माण के लिए प्लांटकी स्थापना हेतु किया जाएगा। यह परियोजना शक्ति पम्प्स की सहायक कंपनीशक्ति एनर्जी सोल्यूशन्स लिमिटेडके माध्यम से संचालित होगी और इसकी उत्पादन क्षमता 2.20 गीगावॉट होगी। इसडीसीआरसोलर सेल निर्माण से कंपनी की बैकवर्ड इंटीग्रेशन को मजबूती मिलेगी और पूरी वैल्यू चेन पर बेहतर नियंत्रण स्थापित होगा, जिससे कंपनी को दीर्घकालिक लाभ होगा। QIP इश्यू की कीमत प्रति शेयर 918.00 रखी गई, जो सेबी द्वारा निर्धारित फ्लोर प्राइस 965.96 से 4.97% की छूट पर है। इस फंड से कंपनी की वित्तीय स्थिति और मजबूत होगी और यह कंपनी को अपनी रणनीतिक योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करेगी। शक्ति पम्प्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन श्री दिनेश पाटीदार ने कहा, हमारे क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंटइश्यू को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से हम बेहद उत्साहित हैं। यह सफलता हमारे निवेशकों के हमारे व्यापार मॉडल व विकास रणनीति पर उनके भरोसे को दर्शाती है। हम इस फंड का उपयोग अपने विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने और सभी हितधारकों के लिए मूल्यवृद्धि करने में करेंगे।

शासकीय विद्यालय जनवानी में संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

प्रवेशोत्सव को यादगार बनाने शाला प्रांगण में लगाए पौधे

भिलाई (समय दर्शन)। शासकीय उच्च माध्यमिक शाला जुनवानी -भिलाई ,छ. ग. में हर्षोल्लास के साथ वार्ड पार्षद मुकेश अग्रवाल के आतिथ्य एवं प्राचार्य श्रीमती वर्षा ठाकुर की अध्यक्षता में संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजा अर्चना एवं दीप-प्रज्वलन से हुआ । अतिथियों का वृक्ष मित्र के रूप पौधा प्रदान कर स्वागत किया गया ततपश्चात कक्षा 1ली , 6वीं और 9वीं के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया । प्राचार्य श्रीमती वर्षा ठाकुर द्वारा ब्रम्हलीन माता श्रीमती गुलाब बाई परमार,एवं पिता ठाकुर चूड़ामणि सिंह परमार की स्मृति में कक्षा 9वी में सर्वोच्च अंक पाने वाले दो छात्र -छात्रा कुमारी शुभी यादव एवं आर्यन सिंह के वर्ष भर की शालेय शुल्क पुरस्कार स्वरूप दिया गया । इन विद्यार्थियों ने बताया कि शालेय शुल्क की पूर्ति इनके आगे की पढ़ाई जारी रखने में सहायक होगा । साथ ही ब्रम्हलीन सास- ससुर श्रीमती सिद्धि ठाकुर , ठाकुर मनमोहन सिंह की स्मृति में संकुल में नव प्रवेशित 1ली , 6वीं और 9वीं के सभी कुल 103 विद्यार्थियों को पानी बॉटल दीं । बिस्किट और चाकलेट दे कर मुंह मीठा कराया गया। साथ ही शासन की योजना अनुसार नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक और शालेय गणवेश दिया गया ।

ज्ञातव्य है कि प्राचार्य श्रीमती ठाकुर द्वारा विगत 15 वर्षों से विद्यालय में नवप्रवेशित बच्चों को पानी

बॉटल और दो विद्यार्थियों का वर्ष भर शालेय शुल्क प्रदान किया जाता है । साथ ही और भी कुछ जरूरत मंद बच्चों के फीस एवं अन्य आवश्यकता जैसे शालेय शूज , कॉपी ,ड्रेस ,स्वेटर आदि की व्यवस्था विद्यालय प्रबंधन समिति और समुदाय के सहयोग से करती हैं । जो कि एक प्रेरक और सराहनीय पहल है ।

अध्यक्षीय उद्बोधन में इस वर्ष कक्षा 10 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्र कुमारी कुसुम साव की चर्चा करते हुए बताई कि कुसुम विद्यालय की छुट्टी के बाद घर न जाकर अपनी मां का हाथ बटाने नारियल ठेले में चली जाती है और ठेला बंद होते तक वहीं खाली समय में सड़क किनारे लाइट में पढ़ाई कर प्रथम स्थान प्राप्त की है । याने जहां चाह है वहां राह है । आप भी दृढ़ निश्चय और मेहनत से सफल हो सकते हैं जीवन में चार बातो का अनुसरण करना ,तो वह बन जाओगे ,जिसके लिए ईश्वर ने तुम्हे धरती पर भेजा है -1.लक्ष्य की ओर हमेशा नजर हो 2. हर क्षण का (समय)का सदुपयोग करना 3.अपनी ऊर्जा का दुरूपयोग मत करना 4. सेवा का कोई अवसर मत छोड़ना साथ ही कहा कि 10वीं पास होने बाद बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए दिक्कत होती । हायर सेकंडरी की नितांत आवश्यकता है ।

वार्ड पार्षद मुकेश अग्रवाल ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र दृढ़ इच्छा शक्ति ,पक्का इरादा ,कड़ी मेहनत और अनुशासन है ।जरूरतमंद बच्चों को सहयोग करने की बात भी कही । हायर सेकंडरी कक्षा प्रारंभ करने की बात शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया । विद्यालय की व्यवस्था और पढ़ाई की प्रशंसा किए । विधायक प्रतिनिधि श्रीमती अन्नू राणा जी ने शिक्षा की जीवन में आवश्यकता पर सारगर्भित चर्चा की ।

मंच संचालन वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती प्रतिभा बुरहान एवं संकुल समन्वयक श्री हरनारायण सिंह राजपूत ने किया । इस अवसर पर शा.प्र.समिति की अध्यक्ष श्रीमती सिमरन , कर्मठ सदस्य फूलचंद साहू , भुखऊ साह, रमेश गुप्ता प्रधान पाठक श्रीमती सुरभि सिंह ,व्याख्याता श्रीमती पी बुरहान, श्रीमती कर्महे , बी मैथ्यू , एशमी बंजारे, श्रीमती प्रतिमा भारद्वाज ,श्रीमती रूपेश्वरी साहू , संजय यादव , पूर्व माध्यमिक विद्यालय से कमलेश देशलहरा , श्रीमती सोनल ताम्रकार , श्रीमती नीलू रजक , ज्योति वासनिक प्राथमिक विद्यालय से हेम लाल केवट , ओमप्रकाश कंवर ,महेश कुमार पाल , शैल कुमार कैंवर्त्य , विजयश्री तिवारी ,गौकरण यादव ,श्रीमती रूखमणी विश्वकर्मा और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और पालकों की गरिमामयी उपस्थिति रही । बालिकाओं के द्वारा मनमोहक लोक नृत्य और गीत प्रस्तुत किया गया । कक्षा 9वीं की कुमारी सुहानी , गौरी , तृप्ति और श्रेया ने नृत्य , कुमारी रागिनी ,एकता और सुभी ने मधुर स्वर में स्वागत गीत गाकर सबका मन मोह लिया । अंत में विद्यालय प्रांगण में प्रवेशोत्सव को यादगार बनाने के लिए पौधा लगाया गया।

खबर-खास

भोरमदेव अभ्यारण्य क्षेत्र में मवेशियों की आवाजाही पर वन विभाग की विनम्र अपील

कवर्धा (समय दर्शन)। मानसून आने के साथ ही भोरमदेव अभ्यारण्य की सीमाओं से लगे कुछ गांवों के पशुपालक परंपरागत रूप से अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगलों की ओर ले जाते हैं। यह ग्रामीण जीवन की एक सामान्य प्रक्रिया रही है। लेकिन यह समय वन्यजीवों के लिए बेहद संवेदनशील होता है। वर्षा ऋतु वन्यजीवों के लिए प्रजनन काल का महत्वपूर्ण समय है, जिसमें वे एकांत और शांत वातावरण पसंद करते हैं। इसी संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, वन विभाग, कवर्धा द्वारा अभ्यारण्य क्षेत्र में मवेशियों की आवाजाही पर रोक लगाने संबंधी जानकारी पूर्व में ही नोटिस व मुनादी के माध्यम से सभी संबंधित गांवों तक पहुँचाई गई थी। इसके बावजूद, हाल ही में बेंदरची, सरेखा सहित अन्य गांवों के कुछ ग्रामीण लगभग 200 पालतू मवेशियों को लेकर अभ्यारण्य क्षेत्र में प्रवेश कर गए। जानकारी मिलते ही भोरमदेव अभ्यारण्य की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से शांति व समझदारी से संवाद कर स्थिति स्पष्ट की। ग्रामीणों ने भी सकारात्मक रवैया दिखाते हुए तुरंत अपने मवेशियों को अभ्यारण्य क्षेत्र से बाहर ले जाने पर सहमति दी। यह उल्लेख करना जरूरी है कि आने वाले समय में भोरमदेव अभ्यारण्य में इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सफारी जैसी गतिविधियाँ प्रारंभ की जाएंगी। ये गतिविधियाँ उन्हीं क्षेत्रों से होकर जाएंगी, जहां अभी मवेशियों की आवाजाही देखी जा रही है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो इससे वन्यजीवों के आवास, प्रजनन, और स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, साथ ही जंगल में संक्रामक रोगों का खतरा भी बढ़ सकता है। मवेशियों की लगातार उपस्थिति के कारण वन्यजीव अक्सर एकांत की तलाश में अभ्यारण्य की सीमा से बाहर भटक सकते हैं, जिससे उनके अवैध शिकार की आशंका भी बढ़ जाती है। यह सभी के लिए चिंता का विषय है।

पालतू मवेशियों को अभ्यारण्य क्षेत्र में न ले जाए- वन विभाग ने सभी लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वर्षा ऋतु में न केवल हमारे वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए समृद्ध और जीवंत वन्य जीवन को संरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। यदि अपील की अवहेलना की जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम एवं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। आपका सहयोग हमारे जंगलों की सबसे बड़ी ताकत है। आइए, मिलकर भोरमदेव अभ्यारण को संरक्षित और समृद्ध बनाएं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सढ़ौली में कलेक्टर उइके ने किया पौधारोपण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के सभी विकासखंडों के किसी एक स्थान पर ब्लाक प्लांटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। एक पेड़ मां के नाम के तहत आज गरियाबंद विकासखण्ड के ग्राम सढ़ौली में ब्लाक प्लान्टेशन किया गया।जिसमें पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के फलदार एवं इमारती पौधों का रोपण किया गया।कलेक्टर बी.एस उइके ने उन्नत किस्म के आम का पौधरोपण किया,जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।ब्लाक प्लान्टेशन के तहत 7 एकड़ क्षेत्र में लगभग 2500 से अधिक पौधों का रोपण किया गया।इसी प्रकार अन्य विकासखण्डों में भी वृक्षारोपण किया जायेगा।कलेक्टर ने कहा कि पौधे बड़े होकर कुपोषण से लड़ने में सहायक फलों का उत्पादन करेंगे। वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में कलेक्टर बी.एस. उइके ने लोगों को पौधों का महत्व बताते हुए कहा कि अपने घरों में भी वृक्षारोपण करें और ग्रामीणों से यह भी कहा कि ब्लाक प्लान्टेशन को सहजने की जवाबदारी ग्रामीणों की होगी।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ जीआर. मरकाम,अपर कलेक्टर नवीन भगत, एसडीएम ऋचा ठाकुर,डीपीओ अशोक पाण्डेय,उप संचालक समाज कल्याण डी.पी ठाकुर,उप संचालक ओ.पी.देशमुख महाप्रबंधक उद्योग दीनबंधु ध्रुव,एलडीएम मो.मोफिज,मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंत्यावसायी रश्मि गुप्ता एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा महाविद्यालयीन छात्राओं हेतु पांच निःशुल्क बसों के संचालन का सीएम विष्णुदेव साय व विस अध्यक्ष डॉ रमन ने किया वर्चुअल लोकार्पण एवं करोड़ों के विकास कार्यों की दी सौगात

कवर्धा (समय दर्शन)। पीएम श्री स्वामी आत्मानन्द शासकीय विद्यालय परिसर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पंडरिया विधानसभा के महाविद्यालयीन छात्राओं हेतु पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 5 निःशुल्क बसों का वर्चुअल लोकार्पण किया और 72 करोड़ 73 लाख 69 हजार रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन भी किया।

इस अवसर पर राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। ख़राब मौसम की वजह से मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान न भरने की वजह से कार्यक्रम को परिवर्तित कर वर्चुअल लोकार्पण किया गया। इतने ख़राब मौसम और बारिश के बावजूद आयोजन स्थल में 15000 से अधिक लोग पहुंचे और क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं का उत्साह लगातार बना रहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा द्वारा जनता के लिए किए जा रहे जनसेवा की प्रशंसा करते हुए कहा कि पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा जनता की आकाँक्षाओं को पूरा करते हुए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। एक जागरूक विधायक और समाज सेविका के रूप में वे अपने सभी दायित्वों का पूरे समर्पण भावना से निर्वहन कर रहीं हैं। आज उनके द्वारा बेटियों की शिक्षा के लिए 5 निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत करके एक मिसाल पेश की है कि एक जनप्रतिनिधि क्या कर सकता है। वे कई महिलाओं के लिए एक प्रेरणा हैं जो सामाजिक परिवर्तन से लेकर अपने क्षेत्र के विकास एवं जनता की सेवा में निःस्वार्थ कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में हमारी सरकार मोदी की गारंटी में किए गए अपने वादों को प्रतिबद्धता से पूरा कर रही है। महतारी वंदन योजना, किसानों को दो वर्ष का बकाया धान बोनस, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी, चरण पादुका योजना फिर से शुरू, भूमिहीन किसानों को आर्थिक सहायता जैसे अभूतपूर्व कार्यों से प्रदेश की तस्वीर बदल रही है और जनता के जीवन में खुशहाली आ रही है। गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में लगातार लाल आतंक पर प्रहार से नक्सली सरेंडर कर रहें हैं। आज पंडरिया विधानसभा की जनता को भी करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात डबल इंजन भाजपा सरकार में मिली है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विकास और जनता की सुविधाओं

के लिए कड़ी मेहनत, तपस्या और समर्पण भाव से कार्य कर रही हैं। आज उनके द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा की शुरुआत पूरे छत्तीसगढ़ में एक अनूठा कार्य है। विधानसभा में भी जनता की आवाज बनकर वो मुखरता से क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों और जनता के मुद्दों को विधानसभा पटल पर रखती हैं। उनके इसी कार्यशैली और विधानसभा की कार्यवाही में सक्रीय सहभागिता के लिए उत्कृष्ट विधायक चुना गया। मैं पंडरिया विधानसभा की जनता का भी अभिनंदन करता हूँ कि उन्होंने कांग्रेस के कुशासन को समाप्त कर प्रदेश में भाजपा का सुशासन स्थापित किया। आज छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन, विकास कार्यों से हर गाँव तक योजनाओं का लाभ धरातल पर दिखाई दे रहा है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि बेटियों को शिक्षित करने के लिए पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा किया गया यह प्रयास प्रशंसनीय है। दूर-दराज गाँव में रहने वाली बेटियों को आवागमन की सुविधा मिलने से अब वह महाविद्यालय में अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकेंगी साथ ही उनके परिजन भी चिंतामुक्त होंगे। आज बेटियां हर क्षेत्र में अपने हुनर व कौशल से हम सभी का मान-सम्मान बढ़ा रहीं हैं ऐसे में उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आवागमन की बेहतर सुविधा उन्हें अपने उज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह पल मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। पंडरिया विधानसभा की मेरी बहनें अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सके इसके लिए जो भी संभव प्रयास होगा उसे करने के लिए मैं हमेशा प्रयास करती रहूंगी। हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और विकास इन चार आधार स्तंभों और आप सभी की आकाँक्षाओं के अनुरूप पंडरिया विधानसभा को समृद्धशाली और विकासशील से विकसित पंडरिया की ओर अग्रसर करने के लिए कृत संकल्पित हैं। इसमें बेटियों की शिक्षा एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके पूर्व हमने महाविद्यालय से घर आने-जाने में हमारी बहनों को हो रही असुविधा को देखते हुए 3 निःशुल्क बसों का संचालन शुरू किया और आज हमने अपने संकल्प को पूरा करते हुए 5 अतिरिक्त निःशुल्क बसों का संचालन शुरू करने जा रहे हैं जिसका मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष ने वर्चुअल लोकार्पण किया है। यह बस उन सभी बहनों के लिए केवल एक आवागमन की सुविधा नहीं बल्कि यह उनके सपनों, उनके सशक्तिकरण और उज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ने में एक सारथी की भूमिका निभाएगा। हमारा लक्ष्य है कि 1000 छात्राओं को हमारे इस प्रयास का लाभ मिले और वे उच्च शिक्षा ग्रहण करके अपने सपनों को पूरा करें। इतनी बारिश में भी आप सभी का इतनी बड़ी संख्या में आगमन से बहुत ही प्रसन्नता हुई अप सभी की उपस्थिति इस कार्यक्रम की सफ्लता है। उन्होंने आगे कहा कि हमें विश्वास है कि इस बस सेवा के संचालन से पंडरिया, पांडातराई, पिपरिया, सहसपुर लोहारा एवं कवर्धा महाविद्यालय में अध्ययनरत पंडरिया विधानसभा की छात्राओं को घर से महाविद्यालय एवं महाविद्यालय से घर आने-जाने के लिए सुरक्षित आवागमन की सुविधा होगी साथ ही ऐसी बहुत सी बेटियां जो आवागमन की कमी होने की वजह से अपनी आगे की पढ़ाई पूरी करने में असमर्थ हैं उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करने एवं उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, इसके साथ ही उन सभी परिजनों एवं अभिभावकों को भी अपनी बेटियों की शिक्षा एवं उनकी सुरक्षा के लिए चिंतामुक्त करेगी। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान एवं नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए उनकी प्रतिबद्धता से प्रेरणा लेकर हमने यह प्रयास किया है। इस दौरान महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं, महतारी वंदन योजना की लाभार्थियों, टॉपर छात्राओं, खिलाड़ी छात्राओं, महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के विशेष आमंत्रण पर उनसे भेंट करने वाली ग्राम कांदावानी और लेदरा की बैगा आदिवासी समाज की श्रीमती जगतीन बाई, श्रीमती तितरी बाई, और श्रीमती बलि बाई को भी सम्मानित किया गया।

भोरमदेव पदयात्रा में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक पहचान व जनभागीदारी का अनूठा संगम होगा-चंद्रप्रकाश

बूढ़ामहादेव से भोरमदेव तक भव्य पदयात्रा हेतु नपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने ली बैठक

कवर्धा (समय दर्शन)। पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार 14 जुलाई 25 को बुढ़ामहादेव मंदिर से लेकर भोरमदेव मंदिर तक जिला प्रशासन द्वारा पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या शामिल होकर पदयात्रा को सफ्ल बनाने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने सोमवार को शहर के प्रमुख जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्ध नागरिकगण, मंदिर समिति के सदस्यगण सहित शिक्षा विभाग के सरकारी व प्राईवेट स्कूल के प्राचार्य के साथ बैठक ली, जिसमें उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की मंशानुरूप भोरमदेव पदयात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए आवश्यक सहयोग के लिए कहा। नपा अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष सावन महीने के प्रथम सोमवार 14 जुलाई को पूरी भव्यता के साथ भोरमदेव पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। भोरमदेव पदयात्रा सबेरे 7 बजे से बूढ़ा महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर भोरमदेव मंदिर तक होगा। अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने सोमवार को जन आस्था से जुड़े भोरमदेव पदयात्रा की तैयारियों की बैठक आयोजित कर महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए। उन्होनें बताया कि बुढ़ामहादेव मंदिर से लेकर ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर तक आयोजित होने वाली भव्य पदयात्रा की तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। उन्होने कहा कि यह पदयात्रा न केवल धार्मिक आस्था से

जुड़ा आयोजन है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक परंपराओं और सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करने का माध्यम है। उन्होंने आयोजन को सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण और प्रेरणादायी बनाने हेतु सभी को समन्वय के साथ कार्य करने को कहा तथा सभी प्राईवेट स्कूल व सरकारी स्कूल के प्राचार्य से कहा कि सभी अपने-अपने स्कूल के छात्र-छात्राओं को पदयात्रा में शामिल होने हेतु प्रेरित करें। उन्होनें पदयात्रा से वापसी के समय स्कूल बस की उपलब्धता को लेकर भी चर्चा की। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी के साथ उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापतिगण, पार्षदगण, समाजसेवी जन, प्रबुद्ध एवं वरिष्ठ नागरिकगण, जिला शिक्षा अधिकारी योगदास साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राईवेट स्कूल संघ के जिलाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास, सीबीएसई स्कूल संघ के अध्यक्ष आदित्य चंद्रवंशी, प्राईवेट स्कूल संघ के उपाध्यक्ष पवन देवांगन, रामशरण चंद्रवंशी के साथ अधिक संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष ने की अपील- नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने समस्त नगरवासियों, युवाओं, महिला मंडलों, धार्मिक संगठनों, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों और अन्य सामाजिक संस्थाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस पदयात्रा में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बनाएं। उन्होंने इस पदयात्रा के माध्यम से हम अपनी संस्कृति को सहेजने के साथ-साथ जनमानस में सकारात्मक ऊर्जा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दे सकते हैं।

सभी सुविधाएं रहेंगी उपलब्ध- भोरमदेव पदयात्रा में श्रद्धालु उत्साह से भाग लेते है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कवर्धा सहित आसपास के सभी नागरिक इस पदयात्रा में शामिल होकर भव्य बनाएं। नपा अध्यक्ष ने कहा कि आयोजन के संबंध में पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। बैठक में भोरमदेव पदयात्रा के गरिमामय आयोजन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए।

कबीरधाम में कर्मचारियों को कराया उठक -बैठक, सौंपे ज्ञापन

संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा

गरियाबंद (समय दर्शन)। गोपाल राम द्वारा 10 मिनट विलंब से पहुंचे कर्मचारी/अधिकारी को उठक बैठक कराना महंगा पड़ता साबित हो रहा है।कलेक्टर के उक्त तृतीय से नाराज अधिकारी/कर्मचारियो ने कबीर धाम कलेक्टर के विरोध में मोर्चा खोल दिया हैद्यकर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के द्वारा प्रदेश स्तर पर उक्त कलेक्टर के विरुद्ध प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन किया गया द्य इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के अधिकारी /कर्मचारी फैडरेशन द्वारा भी अपना विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री के विष्णु देव साय के नाम ज्ञापन सौंपते हुए खूब नारेबाजी कीद्यअधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के संगठन प्रमुखों द्वारा अवगत कराया गया कि यदि दोषी कलेक्टर के विरुद्ध संतोषजनक कार्यवाही जब तक संस्थीत नहीं होती तब तक वे चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे द्यज्ञापन सौंपते समय प्रमुख रूप से एम आर खान जिला संयोजक, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन गरियाबंद, महासचिव बसंत त्रिवेदी, लिपिक संघ के जिला अध्यक्ष बसंत मिश्रा,महिला लिपिक संघ अध्यक्ष दीपयंती तिवारी, भगवन चन्द्राकर अभियंता संघ, सचिव पंकज पाटिल,उपाध्यक्ष सुनील मनोहर प्रधान,छूरा ब्लॉक अध्यक्ष सतीश साहू, अनूप महाड़िक, लघुवेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बसंत वर्मा,टिकेश्वर नागेश, चंद्रहास श्रीवास संविदा कर्मचारी संघ अध्यक्ष,लोकेश्वर साहू रोशन साहू, सपना मिश्रा,प्रीति रामटेके,पुन्नी साहू,जागेश्वरी, काजल शर्मा प्रकाश गिद्धावडे,सूरज बोरकर ,सुनील प्रधान, सन्तोष ध्रुव,बेल सेन, मिथलेश कृसानु,मोहनी चंदनिया,लेकेश साहू,जे आर सिदार सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

भारी बारिश के बीच किसान जवान संविधान रैली में शामिल होने पहुँचे बिंद्रानवागढ़ के सैकड़ों कांग्रेसी

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा किसान जवान संविधान रैली का आयोजन सोमवार को साइंस कॉलेज मैदान में पूरे ऊर्जा और उत्साह के साथ आयोजित हुआ जिसमें शामिल होने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल एवं छग प्रभारी सचिन पायलट पहुँचे व अपने उद्बोधन में वर्तमान सरकार को आड़े हाथों लिया।इस रैली में पूरे प्रदेश के कोने कोने से हजारों की संख्या में पहुँचे थे।उक्त रैली में कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम के नेतृत्व में बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र से दर्जनों गाड़ियों में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए तथा बारिश में भीगते हुए इस रैली के गवाह बने।जिसमें प्रमुख रुप से कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि तपेश्वर ठाकुर, सेवादल के अध्यक्ष मेघराम बघेल,युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अमलीपदर मनोज पांडे,युवा कांग्रेस नेता अल्तमस खान, गुंजेश कपिल,हरिश्वर पटेल,धनंजय सिंह, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष धर्मेंद्र बघेल,जनपद सभापति सुभाष यादव, सरपंच गण गजेंद्र नेगी,दिनेश नेताम, बदन ओटी,राजकुमार नेताम,कृष्णा नाग,प्रकाश कोमर्रा,वरिष्ठ कांग्रेस नेता नीलाधर साहू, निराकार डोंगरे,टिकेंद्र बीसी,महेश नागेश, वीरेंद्र राजपूत,सुमेर कपिल,चंदन नागेश, कांता सिन्हा,हरीश देवांगन,अजगर खान, पीलाराम यादव,रुपेश कुमार,राहुल निर्मलकार,बंशी नेताम,लायबानो सिंह, आरके नागेश सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 02 (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा0प्र0क्र0/ /अ-6/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती चिन्तामणी साहू आ0/पति स्व.टेकराम साहू तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम करंजा भिलाई तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 931/1, 1056/1, 1062, 1057 रकबा 0.0400,0.7700, 1.3200, 0.400 हे. भूमि जो कि आवेदि का के पति टेकराम साहू व अन्य के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के सहखातेदार / भूमिस्वामी टेकराम साहू मृत्यु दिनांक 30.12. 2024 हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25-7-2025 तक स्वयं अथवा अपने के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 7/7/2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुदा के साथ जारी किया गया ।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202506103800027/ 137/अ-20(3)/वर्ष 2024-25

आवेदिका कमला निर्मलकर पति स्व. रमेश निर्मलकर निवासी वार्ड नं 30 मोतीपारा दुर्ग द्वारा नजूल स्थित भूमि शीट क्रमांक 45 सी, भूखण्ड क्रमांक 85,86 रकबा 78 वर्गमीटर धारकगण कुन्ती बाई बेवा लवेल उर्फ सूरज लाल, रमेश कुमार हनुमान दिलीप ललित पिता लतेल उर्फ सूरज लाल के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारकगण में से कुंती बाई की मृत्यु दिनांक 21.04.2007 को एवं रमेश कुमार की मृत्यु दिनांक

24 03.2019 को हो चुकी है। आवेदिका द्वारा उक्त प्रश्नाधीन भूखण्ड से सहधारकों की मृत्यु उपरांत उनके विविक वारिसानों कमला निर्मलकर ध.प. स्व रमेश निर्मलकर व विकास निर्मलकर आ. स्व. रमेश निर्मलकर के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज कर शेष सहखातेदारों का नाम यथावत रखे जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/सस्था को दावा या आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16.07.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वत: या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड सबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा कराया जाये। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 24.06.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

पुरुषोत्तमपुर स्कूल में एक पेड़ माँ के नाम थीम पर वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के संकुल केन्द्र जमदरहा अन्तर्गत शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शाला पुरुषोत्तमपुर में एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण का वधहद कार्यक्रम किया गया। इस दौरान स्काउट मास्टर डिजेन्द्र कुर्रे, प्रधानपाठक गंगाधर द्विवेदी, रुपलता कुर्रे, रसोईया, ग्रामीण एवं बच्चें उपस्थित थे। एक पेड़ माँ के नाम का मुख्य उद्देश्य - 'एक पेड़ माँ के नाम' का सार एक प्रतीकात्मक इशारा है - अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना। यह सरल कार्य एक दोहरा उद्देश्य पूरा करता है: जीवन को पोषित करने में माताओं की भूमिका का सम्मान करना और स्वास्थ्य में योगदान देना। भारत स्काउट गाइड के स्काउट मास्टर डिजेन्द्र कुर्रे,एवं छात्रों के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस उत्कृष्ट कार्य की सराहना जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जे. आर. डहरिया सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे, लोकेश्वर कंवर, विनोद शुक्ला, बीआरसी पूर्णानंद मिश्रा,स्काउट संघ बसना सचिव विवेकानंद दास, नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी एवं संकुल के अन्य शिक्षकों ने बधाई दिए।

थाना प्रभारी को दिया जबर हरेली रेली भेलई का नेवता

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने नंदिनी नगर थाना प्रभारी मनीष शर्मा को भिलाई में होने वाले प्रदेश स्तरीय जबर हरेली रेली का न्योता दिया और समस्त स्टाफके साथ आने का आग्रह किया7 प्रकृति देवता को धन्यवाद देने ,छत्तीसगढ़िया संस्कृति को बचाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के द्वारा ये प्रयास किया जा रहा है जिसका ये लगतार आठवां साल है 7इस बड़े आयोजन में पुरे छत्तीसगढ़ से हजारो की शंखया में लोग यहां हरेली मनाने आते हैं 7रेली में विभिन्न प्रकार के चलित छत्तीसगढ़िया सांस्कृतिक कार्य क्रम और झाँकी रहती है साथ ही विभिन्न प्रकार के समाज सेवी संगठन के द्वारा जल पान की व्यवस्था रहती 7 रेली समापन के पस्चात अंत में छत्तीसगढ़िया सांस्कृतिक मंचीय कार्यक्रम होता है 7 नेवता जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी (जिला उपाध्?यक्ष) कौशल साहू, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना (जिला उपाध्?यक्ष) धर्मेंद्र साहू, परमेश्वर ठाकुर (संरक्षक) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर गोवर्धन ताम्रकार (संयोजक)छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,कमलेश मारकंडे (महामन्त्री) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर ,छोटू यादव (सेनानी) के द्वारा दिया गया7

जिला स्तरीय शालाये कुश्ती प्रतियोगिता दुर्ग में आयोजित,पांच खिलाड़ियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

पाटन (समय दर्शन)। जिला स्तरीय शालाये कुश्ती प्रतियोगिता दिनांक 07/07/2025 को महात्मा गांधी उ.मा. वि. दुर्ग में सम्मपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारभ श्री ललित साहू कुश्ती संघ के संरक्षक, श्रीमती आरती शुक्ला एवं संस्था के प्राचार्य के द्वारा बजरंग बली जी की छाया चित्र पर मालयार्पण वा दिप प्रज्जवलित किया गया।

प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष बालक / बालिका 75 खिलाड़ियों ने भाग लिया । विकासखण्ड से चयनित प्रतिभागी जिला स्तर पर अपना दमखम एवं प्रतिनिधित्व किये जिसमें पाटन विकासखण्ड सेजस मर्रा से 05 खिलाड़ियों ने भाग लिया कक्षा सातवी से अदित्य अण्डर- 14, कक्षा-9 से नेमन, समीर, केतन एवं दिव्यांक ने अण्डर- 17 ने भाग लिया इन 05 खिलाड़ियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किये वा सभी बच्चों का संभाग स्तर में चयन हुआ ।

चयनित खिलाड़ियों को शुभ आशीष एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विलियम लकड़ा सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग, श्री प्रदीप भुवाल, श्री डी. पी. साहू प्राचार्य सेजस मर्रा, श्री खिलेश वर्मा अध्यक्ष जनभागीदारी शाला प्रबंधक समिति सेजस मर्रा, श्री संतोष यादव, श्री हेमंत कुमार एवं श्री भरतलाल ताम्रकार (प्रशिक्षक खेलों इंडिया) उपस्थित थे।

गृह मंत्री के बंगले पहुंचे शमसूल, अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते नशे के कारोबार पर लगाम लगाने की मांग को लेकर अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम और दुर्ग संभाग अध्यक्ष अनुरुद्ध वर्मा ने रायपुर स्थित गृह मंत्री विजय शर्मा के सिविल लाइन बंगले पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राजधानी से लेकर जिलों तक अवैध शराब, गांजा, जुआ-सट्टा, चाकूबाजी और आपराधिक घटनाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

शमसूल आलम ने कहा कि राजनांदगांव जैसे संस्कारधानी शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और लूटपाट व मारपीट आम हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग के भ्रष्ट अफ्सरों को प्रमोशन देकर जिम्मेदार पदों पर बैठाया गया है, जो अवैध शराब के कारोबार को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने अभिरंजन नामक अधिकारी को हटाने की मांग की। वहीं दुर्ग संभाग अध्यक्ष अनुरुद्ध वर्मा ने कहा कि महादेव सट्टा एप ने युवाओं को बर्बादी की राह पर ला खड़ा किया है। डोंगरगढ़ जैसे धार्मिक स्थल पर भी खुलेआम सट्टा लिखा जा रहा है, जिससे छात्र तक इसकी चपेट में आ चुके हैं। उन्होंने सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि राज्य सरकार निगम और विभागीय कर्मचारियों का रोका गया वेतन तुरंत जारी करे, जिससे वे आर्थिक तंगी से उबर सकें। साथ ही राजधानी रायपुर में देर रात तक चल रहे क्लब और बार को समय से बंद कराने और युवतियों द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

गृह मंत्री की अनुपस्थिति में मौजूद अधिकारियों ने ज्ञापन लिया और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस दौरान रायपुर सिविल लाइन थाने का अमला भी तैनात रहा। ज्ञापन सौंपने वालों में में शमसूल आलम प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, अनुरुद्ध वर्मा दुर्ग संभाग अध्यक्ष, मंसू निहाल रायपुर जिलाध्यक्ष, मिलाप बघेल बालोद, नमन पटेल डोंगरगढ़, मनोज कुर्रे, श्याम विश्वकर्मा भिलाई समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रकृति की गोद में नेतृत्व, नीति और एकता का पाठ-डॉ संपत अग्रवाल

मैनपाट (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के शिमला के नाम से विख्यात हिल स्टेशन मैनपाट इन दिनों राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है, जहां भाजपा के सभी सांसद और विधायक तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के कर कमलों से होना प्रस्तावित है।और कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी की नीति, नये जनप्रतिनिधियों को मार्गदर्शन, तथा चुनावी रणनीतियों पर गहन चिंतन करना है।

परिवेश में गूंजे राजनीति के नये स्वर- प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण मैनपाट की गोद में चल रहे इस शिविर का उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती, नेतृत्व कौशल, और नवीन रणनीतियों पर विमर्श करना है। बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शिविर स्थल

पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा,जैसे मध्य प्रदेश में प्रशिक्षण शिविर हुआ था, उसकी झलकियों ने हमें प्रेरित किया है कि हम कुछ नया सीखें। नए विधायकों को अनुभव मिलेगा और पुराने विधायकों से हमें सीखने को मिलेगा।

एकता, अनुभव और नेतृत्व पर फेकस- विधायक डॉ. अग्रवाल ने आगे कहा कि शिविर का माहौल पूरी तरह पारिवारिक और सौहार्दपूर्ण है। इसमें विचारों के आदान-प्रदान के साथ-साथ संगठनात्मक एकता और भाईचारे को भी बल मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा,मैनपाट जैसी खूबसूरत जगह पर प्रशिक्षण होना अपने आप में एक सौभाग्य है।

आपको बता दें कि मैनपाट में प्रशिक्षण से पूर्व सभी सांसदों, विधायक , मंत्रीगणों ने आम, सिंदूर, रुद्राक्ष विभिन्न प्रजाति के एक एक पेड़ माँ के नाम लगाए।

संक्षिप्त में शिविर के प्रमुख बिंदु:

भाजपा के सभी सांसद एवं विधायक शिविर में हुए शामिल

नेतृत्व कौशल, नीति निर्माण और जनसंपर्क पर विचार

जे.पी. नड्डा करेंगे उद्घाटन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति

युवा विधायकों के लिए अनुभव साझा करने का अवसर

महासमुंद जिले में अब तक 249.3 मिलीमीटर औसत वर्षा

- सर्वाधिक वर्षा पिथौरा तहसील में 290.6 मिलीमीटर
- 07 जुलाई को 49.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिले में चालू मानसून के दौरान 01 जून 2025 से अब तक 249.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

भू-अभिलेख से मिली जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा पिथौरा तहसील में 290.6 मिलीमीटर, सरायपाली में 282.15 मिलीमीटर, महासमुंद में 249.8 मिलीमीटर, बसना में 239.3 मिलीमीटर, बागबाहरा में 234.6 मिलीमीटर और सबसे कम वर्षा 199.5 मिलीमीटर कोमाखान तहसील में दर्ज की गई। आज 07 जुलाई को 49.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। जिले के तहसीलवार वर्षा में पिथौरा तहसील में 75.6 मिलीमीटर, सरायपाली में 54.1 मिलीमीटर, बसना में 50.6 मिलीमीटर, महासमुंद में 48.0 मिलीमीटर, कोमाखान में 37.3 मिलीमीटर एवं बागबाहरा तहसील में 33.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

तीन दिवसीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न, युवाओं ने सीखे संगठन व धर्म रक्षा के गुर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा राजनांदगांव, बालोद और अं. चौकी-मोहला-मानपुर जिलों के कार्यकर्ताओं के लिए तीन दिवसीय संभाग स्तरीय शौर्य प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन 4 से 6 जुलाई तक किया गया। यह प्रशिक्षण वर्ग अग्रहरि भवन एवं गांधी सभा कक्ष में संपन्न हुआ। आयोजन में युवाओं को धर्म, संगठन, आत्मरक्षा एवं राष्ट्र सेवा के विविध विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

उद्घाटन सत्र में मध्य क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह पवार ने दीप प्रज्वलन कर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया। विहिप विभाग संगठन मंत्री कन्हैया कुंदन ने प्रथम दिवस सायंकालीन सत्र में युवाओं को संबोधित किया।

दूसरे दिन प्रांत उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह ने व्यक्तित्व विकास पर उद्बोधन दिया, वहीं प्रांत सहमंत्री नंदुराम साहू ने प्रवास व बैठक की कार्यशैली बताई।

प्रांत मंत्री विभूति भूषण पांडेय ने संगठनात्मक ढांचा, समिति गठन और वार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई।

दिल्ली से आए केंद्रीय विशेष संपर्क मंत्री श्री अंबरीश ने देश की बदलती परिस्थितियों और हिंदू समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। अर्चक पुरोहित प्रमुख चंद्रशेखर वर्मा ने बजरंग दल के गठन व उद्देश्य की जानकारी दी। विधिक सत्र में विभाग मंत्री अरुण गुप्ता ने युवाओं को कानून संबंधी जानकारी दी।

शाम को प्रांत सत्संग प्रमुख सुनील वर्मा के नेतृत्व में भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना। समापन अवसर पर नंददास दंडोतिया ने समिति निर्माण व सत्संग की महत्ता पर बल दिया। प्रांत संयोजक ऋषि मिश्रा ने बजरंग दल के कार्यों और उद्देश्य पर सत्र लिया।

अंतिम दिवस प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं ने शहर में शौर्य पथ संचलन किया। इस दौरान नागरिकों ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया और युवाओं का उत्साह बढ़ाया।

तीनों जिलों के विहिप कार्यकर्ताओं की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें जुलाई-अगस्त माह के कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनी। वर्ग में विहिप जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, जिला मंत्री अनूप, कोषाध्यक्ष लव मिश्रा, लाल मुनाई, बजरंग दल जिला संयोजक राहुल मिश्रा, जिला सहसंयोजक अंशुल कसार, बाबा जी बौद्ध, योगेश बागड़ी, नवीन अग्रवाल, योगेश मुदलियार, जुगल किशोर, अंकित खंडेलवाल, नागेश यदु, भरत साहू, अखिलेश गुप्ता, दीपक सिंग, नगर संयोजक प्रिंस हथिबेड, राज तंवर, अभिषेक शर्मा, प्रकाश समरीत, राहुल ताम्रकार, गौरव शर्मा, अभिषेक शर्मा, सुदर्शन साहू, मनीष सर्वा, झमित साहू, मोहित यादव, सोहन साहू, हिमांशु, अं. चौकी-मोहला-मानपुर जिला अध्यक्ष मानसिंग टेकाम, मंत्री गुरुदयाल साहू, मुरली साहू, बालोद विहिप जिलाध्यक्ष बलराम गुप्ता, उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, मोनू सोनवानी, डोंगरगढ़ नगर अध्यक्ष बालमुकुंद तराने, अभिषेक मोहोबिया, भावेश तराने, लीकेश साहू, ऋषभ डाका एवं पूरे विभाग के अन्य सदस्य भारी संख्या में शामिल हुए।

प्रशिक्षण संचालन में प्रशांत दुबे, सुनील सेन, और होमेश जी की भूमिका सराहनीय रही।

प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त जारी नहीं होने से कर्ज के बोझ में दबी वृद्ध महिला

बलराम यादव

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लाक के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कुर्मीगुंडरा मे प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त जारी नहीं किये जाने की वजह से वृद्ध महिला समारीन बाई मंडलेश कर्ज के बोझ तले दब कर काफी परेशान है वृद्ध महिला ने समाजजिक नेता युगल आडिल को अपनी सारी समस्या बताई युगळ आडिल के साथ जनपद कार्यालय पहुंचकर समारीन बाई मंडलेश ने जनपद पंचायत पाटन के मुख्यकार्यपालन अधिकारी पठारे अभिजीत बबन को ज्ञापन देते हुए बताया की मेरे पति सिया राम मंडलेश के नाम से आवास स्वीकृत हुआ था जिसकी पहली किस्त जनवरी 2025 मे जारी किया गया इसी बीच मेरे पति की मृत्यु हों जाने की वजह से खाता बदलने की बात कहकर विभाग द्वारा मेरा खाता नंबर आधार पति का मृत्यु प्रमाण पत्र के अलावा अन्य दस्तावेज मंगाया गया जिनको मैंने सरपंच के हाथों विभाग भिजवा दिया लेकिन आज पुरे पांच माह बीत जाने के बावजूद मेरा दूसरा किस्त जारी नहीं हुआ कर्ज लेकर मैने छत की ढ़लाई पूरी की कर्ज नहीं पटा पाने की वजह से मेरा बाकी का कच्चा घर या खेत बेचने की स्थिति निर्मित हो गई है मै अकेली रहती हु मेरा पालन पोषण करने वाला कोई नहीं है समारीन मंडलेश ने अपनी पीड़ा जनपद पंचायत पाटन के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को बताते हुए कहा की मेरी दूसरी किस्त जल्द जारी नहीं होने पर आत्महत्या जैसे कदम उठाने की नौबत आ सकती है जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होंगी

भारत स्काउट गाइड संघ द्वारा प्रदेशव्यापी पौधरोपण अभियान

- एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण का जिला स्तरीय आयोजन
- जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारीयों ने किया वृक्षारोपण

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारत स्काउट गाइड संघ द्वारा प्रदेशव्यापी पौधरोपण अभियान के अंतर्गत आज महासमुंद जिले के स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण परिसर (डीईओ कार्यालय) में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम की भावना के साथ सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्काउट गाइड के सदस्यों ने बेल, नीम, कदंब के पौधे लगाए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, भारत स्काउट गाइड संघ के जिला अध्यक्ष येतराम साहू, जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर, नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, कलेक्टर विनय लंगेह, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, राकेश चंद्राकर, आनंद साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, पूर्व डीईओ श्रीमती चंद्रसेन सहित स्काउट गाइड स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने कहा कि वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण की सुरक्षा होती है, बल्कि यह हमारी अगली पीढ़ी को एक स्वच्छ और हरित वातावरण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री जी का यह बहुत बड़ा अभियान है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। हमें इसे जन आंदोलन का रूप देना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्काउट गाइड संघ के जिला अध्यक्ष येतराम साहू ने कहा कि, पेड़ लगाना ही पर्याप्त नहीं है, हमें पेड़ को संरक्षित करना और उसका पालन-पोषण भी करना चाहिए। जब पेड़ सुरक्षित रहेंगे तभी हमारा पर्यावरण संतुलित रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के पर्यावरण संरक्षण अभियान की सराहना करते हुए सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं उन्हें संरक्षित रखने का आह्वान किया।

कलेक्टर विनय लंगेह ने भी वृक्षों के महत्व पर विचार रखते हुए कहा कि, हमें विकास के साथ पर्यावरण की भी चिंता करनी चाहिए।

अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी स्वयं लेनी होगी। साथ ही जल संरक्षण के लिए रेन वाटर रिचार्जिंग और घरों में सोखता गड्ढा बनाना आवश्यक है। पानी बचाकर ही हम आने वाले समय को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने एक पेड़ मां के नाम से पौधे लगाकर उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26